www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

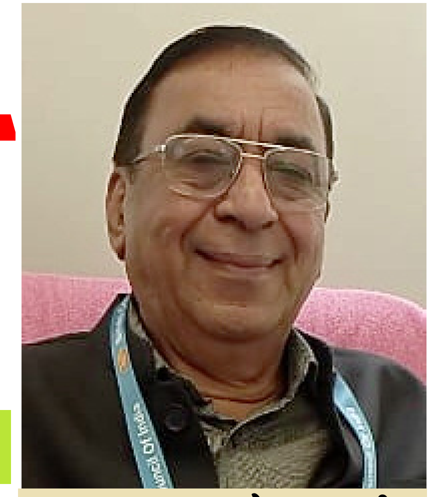

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 258 नई दिल्ली, सोमवार, 13 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

ओमान तट के पास जहाज पर हमला

जहाज पर 11 भारतीय सवार थे, 10 को बचाया गया, एक अब भी लापता

- भारत ने मालवाहक जहाज पर हमले की निंदा की
- ईरान ने किया था जहाज पर हमला

अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार

मस्कट, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर ईरान ने हमला किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है।

भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ईरान ने दावा किया कि उसकी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर कार्रवाई की।

ईरान ने बंद किया होर्मुज स्ट्रेट

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की है। अमेरिका की ओर से किए गए हमले के बाद ईरान की सेना ने यह घोषणा की। आईआरजीसी ने कहा है कि जब तक इस इलाके में अमेरिका का दखल खत्म नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। एक ऐसे जहाज पर हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो अपनी प्रणाली बंद करके एक अनधिकृत रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था।

ईरान ने भी अमेरिकी सैन्य ढांचे को निशाना बनाया

तेहरान। ईरानी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने कतर स्थित अल-उदीद एयर बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ढांचे तथा ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी नौसैनिक अभियानों से जुड़े लॉजिस्टिक प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया।

अमेरिका ने नागरिक जहाज पर हमला बताया

दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इस घटना को एक नागरिक कमर्शियल जहाज पर सीधा हमला बताया। सेंटकॉम के अनुसार, हमले में जहाज के इंजन रूम को भारी नुकसान पहुंचा, जिससे उसमें आग लग गई और चालक दल को जहाज छोड़कर लाइफबोट के जरिए बाहर निकलना पड़ा। अमेरिका का कहना है कि इस हमले में एक नागरिक क्रू सदस्य लापता है।

अमेरिका ने ईरान के 140 सैन्य ठिकानों पर किया हमला

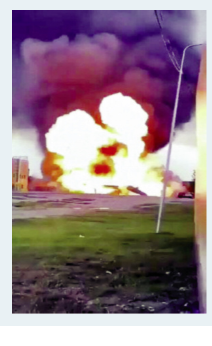

वाशिंगटन। अमेरिका ने इस सप्ताह ईरान पर किये गए अपने तीसरे चरण के हमलों के तहत लगभग 140 ठिकानों को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया है कि सेना ने शनिवार को जमीन और समुद्र से उड़ान भरने वाले लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों से सटीक निशाना साधने वाले हथियारों का इस्तेमाल करके ईरान के लगभग 140 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक अमेरिकी सेना ने यह हमला ईरान की ओर से साइप्रस के जहाज पर किए गए हमले के जवाब में किया गया।

केंद्र सरकार ने दिल्ली की 28 आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए 1,647 करोड़ किए स्वीकृत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत दिल्ली सरकार की 28 महत्वपूर्ण पूंजीगत परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,647 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा अपने संसाधनों से पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) बढ़ाने के प्रयासों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन (इंसेंटिव) भी स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की तरफ से रविवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक एसएएससीआई योजना के तहत जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, उनमें दिल्ली मेट्रो से जुड़ी परियोजनाएं, एलिवेटेड बारापुला कॉरिडोर, करावल नगर फ्लाईओवर, डीटीसी डिपो में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग स्टेशन और सड़कों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से परिवहन और सड़क अवसंरचना को मजबूती मिलेगी और सार्वजनिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएएससीआई केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना केवल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्यों में रणनीतिक सुधारों को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेश बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी प्रदान करती है। यही कारण है कि यह योजना राज्यों में आधारभूत ढांचे के विकास को गति देने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शुरू से ही इस योजना को प्राथमिकता दी और केंद्र सरकार से लगातार आग्रह किया कि दिल्ली की आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को भी एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृति प्रदान की जाए। इनके परिणामस्वरूप 9 जुलाई को दिल्ली सरकार की सभी 28 परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई। यह स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार की सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता, वित्तीय अनुशासन और विकास परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता पर पूरा विश्वास है। वहीं, दिल्ली द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से पूंजीगत निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि करने के कारण केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी प्रदान किया है, जो दिल्ली सरकार के विकासोन्मुखी प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सार संक्षेप

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का निधन

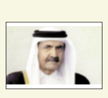

दोहा। कतर फादर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। इसकी घोषणा कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था 'अमीरी दीवान' ने रविवार को की। अमीरी दीवान ने रविवार को कहा, 'ईश्वर के फैसले और नियति पर अटूट विश्वास के साथ, अमीरी दीवान राष्ट्र की इस महान क्षति पर शोक व्यक्त करता है। परमात्मा दिवंगत अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी पर अपनी कृपा बनाए रखें, जिनका आज सुबह निधन हो गया। '

पिछले दरवाजे से शासन करना चाहती है केंद्र सरकार : उमर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि परिसीमन की प्रक्रिया 'पिछले दरवाजे से शासन' करने के लिए की गई थी। एक सभा को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर अपने वादों से मुकरने और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

एक्सपायर्ड ब्रेड परोसे जाने पर कैटरर पर जुर्माना लगाया

IRCT

नई दिल्ली। शनिवार को नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्रियों को नाश्ते में एक्सपायर्ड ब्रेड परोसे जाने के बाद भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने एक कैटरिंग सेवा प्रदाता पर जुर्माना लगाया है। यह घटना ट्रेन नंबर 12002 में हुई, जिसे दिल्ली-भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस के नाम से जाना जाता है।

बेलगावी में संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक संपन्न, शाखा विस्तार, जनगणना और नशामुक्ति समेत कई मुद्दों पर हुआ मंथन

बेलगावी/(हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय वार्षिक अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक रविवार को कर्नाटक के बेलगावी में संपन्न हो गई। बैठक में शाखा विस्तार, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम, जनगणना, जनसांख्यिकीय असंतुलन, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा संगठनात्मक गतिविधियों सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए 226 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं की रूपरेखा भी तैयार की गई। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मार्च 2026 के बाद देशभर में आयोजित 83 संघ शिक्षा वर्गों और 12 कार्यकर्ता विकास वर्गों की समीक्षा की गई।

इन प्रशिक्षण वर्गों में कुल 18,842 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शाखा संचालन, संघ की कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुंब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

उन्होंने बताया कि सितंबर माह में अधिकतम शाखा विस्तार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया गया है। संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अब तक आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए शेष कार्यक्रमों के सफल आयोजन की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

इसके साथ ही शताब्दी वर्ष के दौरान संपर्क में आए लोगों को सामाजिक गतिविधियों तथा पंच परिवर्तन अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने पर जोर दिया गया।

भारत यात्रा में अफगान कृषि मंत्री ने खाद्य सुरक्षा, फसल उत्पादकता और कृषि-व्यापार सहयोग पर समेत तमाम मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुपालन मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमारी की 7 से 12 जुलाई तक छह दिनों की भारत यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने खाद्य सुरक्षा, बीज प्रणालियों और फसल उत्पादकता बढ़ाने पर चर्चा की। भारत ने अफगानिस्तान के कृषि क्षेत्र को जलवायु-अनुकूल और बायो-फोर्टिफाइड फसल किस्मों, टिकाऊ सिंचाई पद्धतियों, जल संचयन, वाटरशेड विकास और तकनीकी सहयोग के माध्यम से समर्थन देने का भी आश्वासन दिया।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान अफगान मंत्री ने कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मौजूदा सहयोग की समीक्षा की और कृषि अनुसंधान, शिक्षा, क्षमता निर्माण तथा कृषि-व्यापार में नए रास्तों पर चर्चा की। इस बैठक में बीज प्रणालियों को मजबूत करने, फसल उत्पादकता बढ़ाने और किसानों के लिए टिकाऊ तकनीक उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही ओमारी ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से भी मुलाकात की। इस बैठक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मूल्य संवर्धन, आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाओं और निवेश के अवसर तलाशने पर सहमति जताई।

अफगान मंत्री ने विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा से भी मुलाकात की। इस बैठक में अफगान जनता के कल्याण और विकास में भारत की भूमिका पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्रों में अफगानिस्तान को सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया ऐलान

अगले साल 15 अगस्त से शुरू होगी बुलेट ट्रेन

- सूरत-बिलिमोरा सेक्शन देश का पहला हाई-स्पीड रेल रूट बनेगा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐलान किया कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन सेवा 15 अगस्त, 2027 से चरणबद्ध तरीके में शुरू होगी और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर का सूरत-बिलिमोरा सेक्शन देश का पहला हाई-स्पीड रेल रूट बनेगा।

508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा, जिससे पूरे रूट के पूरा होने से पहले ही प्रोजेक्ट के कुछ हिस्से चालू हो सकेंगे। सूरत-बिलिमोरा सेक्शन के शुरू होने के बाद, बाकी सेक्शन - जैसे वापी-सूरत, वापी-अहमदाबाद, अहमदाबाद-ठाणे और अहमदाबाद-मुंबई को धीरे-धीरे खोला जाएगा। वैष्णव ने कहा कि भारत का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट अपने अगले चरण में पहुंच गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का काम चल रहा है और इसे चरणों में शुरू किया जाएगा, जिसकी शुरुआत सूरत-बिलिमोरा सेक्शन से होगी।

तीन प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की घोषणा की

वैष्णव ने देश के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क को बढ़ाने के लिए केंद्र की लंबी अवधि की योजनाओं के बारे में भी बताया और हैदराबाद को केंद्र में रखकर तीन प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की घोषणा की। इनमें पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु रूट शामिल हैं, जिनसे दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि हैदराबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल लिंक की भी योजना है, जिससे इन दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

ज्ञानवापी विवाद में कल से शुरू होगी मध्यस्थता प्रक्रिया

- सुप्रीम कोर्ट ने दिया था निर्देश
- 9 जुलाई को सूचना दी गई थी

वाराणसी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब मामले को मध्यस्थता (मेडिएशन) के जरिए सुलझाने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस संबंध में 14 जुलाई को मध्यस्थता की तारीख तय की गई है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों के वादी और अधिवक्ता शामिल होंगे। मामले से जुड़े अधिवक्ता पंडित सुधीर त्रिपाठी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'ज्ञानवापी से संबंधित लंबित मुकदमों का मध्यस्थता के माध्यम से समाधान का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिला स्तर पर नोटिस जारी किया गया है। ज्ञानवापी से जुड़े सात पत्रावलियों के संबंध में 9 जुलाई को सभी पक्षों को सूचना दी गई थी और अब 14 जुलाई को दोनों पक्षों को बुलाया गया है।'

फारूक अब्दुल्ला के प्रदर्शन को माकपा का समर्थन

मानसून सत्र के पहले दिन जंतर मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

श्रीनगर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा संसद के मानसून सत्र के पहले दिन नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। पार्टी ने सभी राजनीतिक दलों, संगठनों और नागरिकों से इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। माकपा की जम्मू-कश्मीर राज्य समिति के सचिव मोहम्मद अब्बास राथर ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा किसी एक दल या क्षेत्र का नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के सभी समुदायों और लोगों से जुड़ा हुआ है।

राहत — *प्रतिष्ठानों को अपनी स्थिति नियमित करने का दिया अवसर*

ईपीएफओ ने पीएफ फंड पर माफी योजना शुरू की

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से रविवार को छह महीने के लिए एमनेस्टी स्कीम के तहत प्रोविडेंट फंड से आवेदन मंगाए हैं।

रविवार को घोषणा की गई कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रोविडेंट फंड (पीएफ) ट्रस्ट से एमनेस्टी स्कीम (माफी योजना) के लिए आवेदन मंगाए हैं। यह योजना छह महीने के लिए लागू रहेगी।

ईपीएफओ की ओर से 'एमनेस्टी स्कीम, 2026' (29 जून को नोटिफाई की गई) शुरू की है। यह स्कीम के तहत इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त 'एग्जेम्प्टेड पीएफ ट्रस्ट' (छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट) चलाने वाले संस्थानों को अपने स्टेटस को रेगुलर करने का एक बार का मौका दिया जाएगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय की ओर से कहा गया, 'नियोक्ताओं, स्टेकहोल्डर्स और आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे इस स्कीम पर ध्यान दें, जो छह महीने तक खुली रहेगी।' यह स्कीम उन संस्थानों पर लागू होती है जो इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट चला रहे हैं, लेकिन उनके पास संबंधित सरकार से छूट का कोई औपचारिक नोटिफिकेशन नहीं है। योग्य संस्थान वे हैं जो ट्रस्ट को पिछले समय से रेगुलर करवाना चाहते हैं और जिन्होंने पहले ही 'नॉन-एग्जेम्प्टेड संस्थान' के तौर पर नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है या जो 'नॉन-एग्जेम्प्टेड संस्थान' के तौर पर आगे नियमों का पालन करने का विकल्प चुन रहे हैं।

- छह महीने के लिए लागू रहेगी योजना

क्षेत्रीय कार्यालय में जमा करें आवेदन

संगठन ने कहा, 'बकाया राशि, हर्जाने और ब्याज के लिए लंबित असेसमेंट वापस ले लिए जाएंगे और खत्म माने जाएंगे, बशर्ते सदस्य खातों को कानूनी दरों के बराबर या उससे बेहतर ब्याज और योगदान मिला हो। पहले से फाइनल किए गए आदेशों को शुरू से ही अमान्य माना जाएगा।' आधिकारिक बयान में कहा गया, 'योग्य संस्थान केंद्र सरकार को संबोधित एक औपचारिक आवेदन जमा करेंगे। आवेदन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को ईमेल के जरिए जमा किए जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुदंरकांड पाठ में शामिल हुए केजरीवाल ने कहा, चढ़ावा चोरी से रामभक्त आहत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने रविवार को रोहिणी स्थित जापानी पार्क में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इसमें आआपा राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज शामिल हुए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से देश-दुनिया के रामभक्त बेहद आहत हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए आज हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई है। केजरीवाल ने कहा कि सुंदरकांड पाठ के बाद रामभक्तों ने दोषियों को सख्त सजा दिलाने तक चैन से नहीं बैठने की शपथ ली।

केंद्र सरकार ने दिल्ली की 28 आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए 1,647 करोड़ किए स्वीकृत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत दिल्ली सरकार की 28 महत्वपूर्ण पूंजीगत परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,647 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा अपने संसाधनों से पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) बढ़ाने के प्रयासों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन (इंसेंटिव) भी स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की तरफ से रविवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक एसएएससीआई योजना के तहत जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, उनमें दिल्ली मेट्रो से जुड़ी परियोजनाएं, एलिवेटेड बारापुला कॉरिडोर, करावल नगर फ्लाईओवर, डीटीसी डिपो में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग स्टेशन और सड़कों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से परिवहन और सड़क अवसंरचना को मजबूती मिलेगी और सार्वजनिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएएससीआई केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना केवल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्यों में रणनीतिक सुधारों को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेश बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी प्रदान करती है। यही कारण है कि यह योजना राज्यों में आधारभूत ढांचे के विकास को गति देने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शुरू से ही इस योजना को प्राथमिकता दी और केंद्र सरकार से लगातार आग्रह किया कि दिल्ली की आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को भी एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृति प्रदान की जाए। इनके परिणामस्वरूप 9 जुलाई को दिल्ली सरकार की सभी 28 परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई। यह स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार की सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता, वित्तीय अनुशासन और विकास परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता पर पूरा विश्वास है। वहीं, दिल्ली द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से पूंजीगत निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि करने के कारण केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी प्रदान किया है, जो दिल्ली सरकार के विकासोन्मुखी प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मजलिस पार्क में मकान में आग, पुलिस की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर थाना क्षेत्र स्थित मजलिस पार्क में शनिवार रात एक मकान में आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। आग के दौरान एलपीजी सिलेंडर में तेज धमाका होने से आसपास के लोग दहशत में आ गए। संकरी गलियों के कारण दमकल कर्मियों को मौके तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि दिल्ली पुलिस की तत्परता, लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकालने और दमकल विभाग के संयुक्त प्रयासों से बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 9:18 बजे पीसीआर पर सूचना मिली कि मजलिस पार्क की गली नंबर-10 स्थित मकान संख्या सी-504 में आग लग गई है। सूचना मिलते ही आदर्श नगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया है और तेजी से फैल रही है। हालात की गंभीरता को देखते हुए करीब 25 पुलिसकर्मियों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। पुलिस ने सबसे पहले आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और क्षेत्र में भीड़ को नियंत्रित किया। आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई। संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई हुई। इस बीच पुलिसकर्मियों ने आसपास उपलब्ध पानी की पाइपों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। राहत कार्य के दौरान अचानक मकान के भीतर रखे एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हो गया। धमाके के बाद पुलिसकर्मियों को सुरक्षित स्थान पर हटाया गया। इसके बाद दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग के दौरान दो और धमाकों की आवाज सुनाई दी। शुरूआती जांच में आशंका जताई गई है कि ये धमाके मकान में लगे एयर कंडीशनर के बाहरी यूनिट फटने से हुए। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की पांच गाड़ियों को लगाया गया, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के दौरान प्रभावित मकान के बाहर करीब एक हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने पूरे समय मोर्चा संभाले रखा और लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में कोई बाधा नहीं आई। मौके पर एसीपी जहांगीरपुरी भी पहुंचे और पुलिस बल के साथ कानून-व्यवस्था तथा राहत कार्यों की निगरानी की। स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते लोगों को बाहर नहीं निकाला जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है।

लग्जरी कार चोरों के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 12 करोड़ों की गाड़ियां बरामद

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लग्जरी कार चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पंजाब और राजस्थान के दो रिसीवर (चोरी के वाहन खरीदने और बेचने वाले) को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट और जाली आरसी के साथ 12 हाई-एंड लग्जरी कारें बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में सक्रिय था और चोरी की महंगी एसयूवी व लग्जरी कारों को नया रूप देकर बेचता था।

क्राइम ब्रांच पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल (एईकेसी) ने बढ़ती लग्जरी कार चोरी की घटनाओं को देखते हुए विशेष टीम गठित की थी। टीम ने चोरी के पैटर्न, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि गिरोह आधी रात के समय वारदात को अंजाम देता था और कुछ ही मिनटों में महंगी कारों का लॉक खोलकर उन्हें लेकर फरार हो जाता था। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर 7 जून को ईस्ट दिल्ली स्थित क्राउन प्लाजा होटल के पीछे एमसीडी पार्किंग से गुरविंदर सिंह बैंका को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से प्रशांत विहार से चोरी हुई हुंडई क्रेटा बरामद हुई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी और उसके पास जाली रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी मिला। पूछताछ में गुरविंदर ने खुलासा किया कि वह चोरी की कारें पंजाब के अमृतसर और लुधियाना में बेचता था। उसने बताया कि उसे ये वाहन राजस्थान के बीकानेर निवासी दशरथ बिश्नोई उपलब्ध कराता था। इसके बाद पुलिस ने जोधपुर के ओसियां टोल प्लाजा से दशरथ बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित चोरी की फॉर्च्यूनर, थार, क्रेटा, किआ और अन्य लग्जरी कारें महज 4 से 5 लाख रुपये में खरीदते थे। इसके बाद इंजन और चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर फर्जी आरसी तैयार करते और वाहनों को असली बताकर पंजाब व राजस्थान में बेच देते थे। आरोपियों ने 15 से 20 ऐसी वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

गिरफ्तार गुरविंदर पहले भी दिल्ली और पंजाब के चार मामलों में शामिल रह चुका है और रानीबाग थाने के एक मामले में घोषित भगोड़ा भी है। वहीं दशरथ वर्ष 2021 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और पहली बार पुलिस के हत्थे चढ़ा है। क्राइम ब्रांच ने आरोपित की निशानदेही पर 12 लग्जरी वाहन, फर्जी नंबर प्लेट और जाली दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, दिल्ली में सक्रिय वाहन चोरों और चोरी की अन्य गाड़ियों का पता लगाने में जुटी है।

फर्जी लूट की कहानी चार घंटे में बेनकाब: ड्राइवर ने ही छिपाए थे पांच लाख, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। रोहिणी जिले के केएनके मार्ग थाना पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर कथित हथियारबंद लूट की गुत्थी सुलझाते हुए चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिस ड्राइवर ने तीन बदमाशों द्वारा पिस्तौल की नोक पर पांच लाख रुपये लूटने की शिकायत दर्ज कराई थी, वही पूरी साजिश का मास्टरमाइंड निकला।

पुलिस ने उसकी कार के बोनट में बैटरी के पास छिपाए गए पूरे पांच लाख रुपये बरामद कर लिए और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई को केएनके मार्ग थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-26 रोहिणी के द्वारकाधीश अपार्टमेंट के पास लूट की सूचना पीसीआर के माध्यम से मिली।

सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां शिकायतकर्ता 42 वर्षीय गुरनाम सिंह उर्फ हैप्पी मिला। उसने बताया कि वह कश्मीरी गेट स्थित एक स्पेयर पार्ट्स वर्कशॉप में पिछले करीब दस वर्षों से ड्राइवर और हेल्पर के तौर पर काम करता है।

गुरनाम ने पुलिस को बताया कि उसके मालिक ने उसे वर्कशॉप से पांच लाख रुपये लेकर सेक्टर-14 रोहिणी में पहुंचाने के लिए भेजा था। आरोप था कि रास्ते में एक थार एसयूवी ने उसकी कार को रोक लिया।

उसमें सवार तीन लोगों में से दो ने पिस्तौल तान दी और नकदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना केएनके मार्ग की विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने सबसे पहले शिकायतकर्ता के बताए पूरे रूट की तकनीकी माध्यमों और सीसीटीवी फुटेज के जरिए जांच की। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता की गाड़ी का कहीं भी किसी थार एसयूवी ने पीछा नहीं किया और न ही उसे रोका गया।

इससे पुलिस को शिकायतकर्ता की कहानी पर संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने वर्कशॉप संचालकों से पूछताछ कर पुष्टि की कि वास्तव में पांच लाख रुपये गुरनाम को सौंपे गए थे। हालांकि पूछताछ के दौरान गुरनाम लगातार अपनी झूठी कहानी दोहराता रहा। शक गहराने पर पुलिस ने शिकायतकर्ता की कार की बारीकी से तलाशी ली। जांच के दौरान कार के बोनट के अंदर बैटरी के पास कपड़े का एक बैग बंधा हुआ मिला। बैग खोलने पर उसमें पूरे पांच लाख रुपये सुरक्षित मिले।

वर्कशॉप के प्रतिनिधियों ने बरामद रकम की पहचान कर पुष्टि की कि यही वही रकम है जो गुरनाम को सौंपी गई थी।

पुलिस के सामने साक्ष्य आने के बाद गुरनाम सिंह उर्फ हैप्पी टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इसी वजह से उसने मालिक के पैसे हड़पने की योजना बनाई।

उसने पहले नकदी को कार के बोनट में छिपाया और फिर खुद ही फर्जी लूट की कहानी गढ़कर पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर दी, ताकि किसी को उस पर शक न हो।

पुलिस ने आरोपित गुरनाम सिंह उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने और अमानत में खयानत से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की अतिरिक्त धाराएं भी मामले में जोड़ दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली पीएम-उदय योजना के पहले चरण के लिए केंद्र से मांगी 100 करोड़ की वित्तीय सहायता

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली में संशोधित पीएम-उदय (प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनियों के विकास एवं उत्थान योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से प्रथम चरण में 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर यह वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति करते हुए कहा कि 6 अप्रैल को अधिसूचित संशोधित विनियमों के तहत अनधिकृत कॉलोनियों में निवासियों के संपत्ति अधिकारों की प्रक्रिया को नया कानूनी आधार मिला है। इसके साथ ही जैसी स्थिति है, उसी आधार पर अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की व्यवस्था लागू होने से लाखों लोगों को संपत्ति अधिकार प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सरल एवं प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन की नोडल एजेंसी बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के तहत राजस्व विभाग को दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित करने होंगे, जिनका नेतृत्व एडीएम करेंगे। इसके अलावा दिल्ली की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्तियों का भौतिक सत्यापन, आधुनिक तकनीक के माध्यम से डिजिटल मैपिंग तथा भू-अभिलेखों को अप-टू-डेट करने का व्यापक कार्य किया जाएगा। इन सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए वर्ष 2026-27 में प्रथम चरण के रूप में 100 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में प्रस्तावित व्यय का विस्तृत विवरण भी दिया है। इसके अनुसार 65 करोड़ रुपये डीआरआईएसएचटीआई पहल के तहत आधुनिक भू-सर्वे एवं मैपिंग प्रणाली विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे। इससे संपत्तियों के सत्यापन और भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण

की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और तकनीक आधारित बन सकेगी। इसके अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये से दिल्ली के 13 जिलों तथा मुख्यालय में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएंगे। इन प्रकोष्ठों के बिना निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा में संपत्ति संबंधी दस्तावेज और प्राधिकरण पत्र जारी करना संभव नहीं होगा। प्रस्तावित पैकेज में 10 करोड़ रुपये जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार के लिए भी रखे गए हैं। इस राशि से रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) के साथ कार्यशालाएं, हेल्पडेस्क, मानक प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी, एडीएम की भूमिका, पात्रता संबंधी महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी तथा सिंगल विंडो शिविरों के माध्यम से लोगों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में अनुरोध किया है कि शहरी विकास कोष (यूडीएफ) से प्रथम चरण के लिए 100 करोड़ रुपये के इस पैकेज को स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संस्थागत ढांचा पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और कार्य प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में केंद्र सरकार से समय पर वित्तीय सहायता मिलने से दिल्ली के लाखों निवासियों को संपत्ति अधिकारों से जुड़े लाभ शीघ्र और सुगमता से उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने पीएम-उदय योजना के सफल क्रियान्वयन में केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय और आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है।

आआपा का सुंदरकांड का आयोजन राजनीतिक छलावा: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए सुंदरकांड पाठ का आयोजन एक राजनीतिक छलावा मात्र है। वे सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर अपनी राजनीतिक स्थिति सुधारने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि श्रीराम मंदिर पर बोलने एवं सुंदरकांड का आयोजन पंजाब एवं अन्य राज्यों के आगामी चुनाव में हिंदू मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज रोहिणी में सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर रहे केजरीवाल यह भी बताएं कि वर्ष 2024 में घोषित सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला को उन्होंने बीच में क्यों छोड़ दी।

दो बार फायरिंग कर युवक की हत्या की कोशिश, तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने एक ही युवक पर दो बार फायरिंग कर हत्या की कोशिश करने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पुरानी रंजिश और हालिया विवाद के चलते आरोपितों ने युवक को सबक सिखाने के इरादे से उसके घर के बाहर दो बार फायरिंग की थी।

पुलिस के मुताबिक, आठ जुलाई को न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित रवि प्रकाश का बयान दर्ज किया। रवि ने बताया कि पवन, कृष्णा और उनके दो अन्य साथियों ने उस पर फायरिंग की। हालांकि इस घटना में वह बाल-बाल बच गया और किसी को गोली नहीं लगी। शिकायत के

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद 11 जुलाई को उसी इलाके में रवि प्रकाश पर दोबारा फायरिंग की गई। इस बार गोली उसके घुटने के नीचे पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने दूसरा मुकदमा दर्ज कर पहले से नामजद आरोपितों के साथ एक अन्य आरोपित के खिलाफ भी जांच शुरू कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यू उस्मानपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में कई पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय खुफिया तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की गई। लगातार तकनीकी विश्लेषण और छापेमारी के बाद पुलिस ने पवन (24), शेखर उर्फ अपराधी (22) और कृष्णा उर्फ किस्सू (23) को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में तीनों आरोपितों ने दोनों फायरिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उन्होंने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले पीड़ित रवि प्रकाश से उनका विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते उन्होंने साजिश रचकर उसके घर के बाहर दो अलग-अलग दिनों में फायरिंग की, ताकि उसे डराया जा सके और सबक सिखाया जा सके। पुलिस अब बरामद हथियार के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ यह भी जांच कर रही है कि आरोपितों का किसी अन्य आपराधिक घटना से कोई संबंध तो नहीं है। मामले में आगे की जांच जारी है।

रानी झांसी फ्लाईओवर से छलांग लगाकर जान देने की कोशिश, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बचाई सरकारी शिक्षक की जिंदगी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने एक सरकारी स्कूल शिक्षक की जान बचा ली। रानी झांसी फ्लाईओवर से छलांग लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले 45 वर्षीय शिक्षक को ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचाया, जिससे उनकी जान बच गई। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, आठ जुलाई को शाम करीब चार बजे आजाद मार्केट चौक पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के जवानों को सूचना मिली कि रानी झांसी फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर मौजूद कांस्टेबल साहिल और कांस्टेबल अमित तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने देखा कि व्यक्ति फ्लाईओवर से छलांग लगाकर गंभीर रूप से घायल हो चुका है। ऐसे में समय गंवाए बिना दोनों जवानों ने राह से गुजर रहे एक ई-रिक्शा को रुकवाया और घायल को उसमें बैठाकर तुरंत हिंदू राव अस्पताल पहुंचाया, ताकि उसे जल्द से जल्द इलाज मिल सके।

इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी सब-इंस्पेक्टर सुरेश कुमार और एएसआई बिजू के. ने की। उन्होंने मौके से ही ट्रैफिक कंट्रोल रूम और स्थानीय थाना पुलिस को सूचना देकर आवश्यक समन्वय स्थापित किया, जिससे चिकित्सा और पुलिस सहायता में किसी तरह की देरी न हो।

अस्पताल में घायल की पहचान आनंद कुमार सरोहा (45) के रूप में हुई। वह दिल्ली सरकार के सर्वोदय बाल विद्यालय, ललिता ब्लॉक, शास्त्री नगर में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सेंट स्टीफंस अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उनकी हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यदि पुलिसकर्मी कुछ मिनट भी देर करते तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। मौके पर मौजूद जवानों की सूझबूझ, तेजी से लिया गया फैसला और बेहतर समन्वय ही शिक्षक की जान बचाने में सबसे अहम साबित हुआ। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेदारी केवल यातायात को सुचारु बनाए रखने तक सीमित नहीं है। सड़क पर किसी भी तरह की आपात स्थिति, दुर्घटना या जीवनरक्षक परिस्थितियों में भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ लोगों की मदद के लिए आगे आते हैं। हालांकि, शिक्षक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किन परिस्थितियों में किया गया, इसका पता लगाने के लिए स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपने जवानों की त्वरित कार्रवाई को मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का 84वां प्राकट्य महोत्सव मनाया गया

नई दिल्ली, 12 जुलाई (हि.स.)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का 84वां प्राकट्य महोत्सव राष्ट्रोत्कर्ष दिवस के रूप में रविवार को नॉर्थ कैंपस स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय स्टेडियम में मनाया गया। इसमें योगगुरु बाबा रामदेव, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, आचार्य धर्मवीर, श्री आदिशंकराचार्य सनातन सेवा संस्थानम् फाउंडेशन के संदीप गर्ग सहित धर्मसंघ, पीठ परिषद, आदित्यवाहिनी और आनंद वाहिनी के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस मौके पर बाबा रामदेव ने कहा कि हिंदू राष्ट्र के नाम पर किसी को डरने की जरूरत नहीं है। हम सभी के पूर्वज सनातनी हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया तो मुसलमान कहां जाएंगे?

भविष्यफल

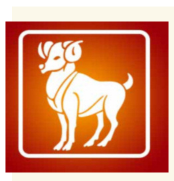

मेष- कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

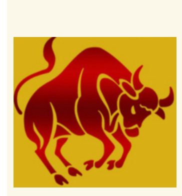

वृष- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

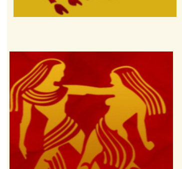

मिथुन- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

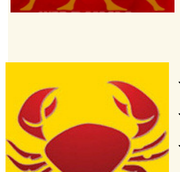

कर्क- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

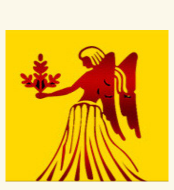

कन्या- आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला- आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

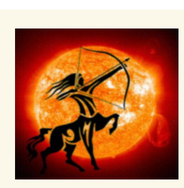

धनु- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

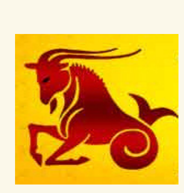

मकर- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

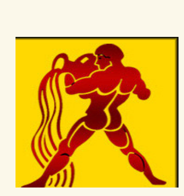

कुंभ- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-5-7

कई शहरों की रफ्तार थमी, भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

चीन में बावी तूफान का कहर, 27 लाख से ज्यादा लोगों का किया गया रेस्क्यू

● बीजिंग / (एजेंसी)

चीन के पूर्वी तटीय इलाकों में शक्तिशाली तूफान बावी ने दस्तक देते ही हालात बिगाड़ दिए हैं। शनिवार देर रात झेजियांग प्रांत के तट से टकराने के बाद तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने कई शहरों की रफ्तार थाम दी। प्रशासन ने समय रहते बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाते हुए लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 27 लाख से अधिक लोगों को संभावित खतरे वाले इलाकों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर भेजा जा चुका है। मध्य व दक्षिण झेजियांग में 24 घंटे में 50 एमएम बारिश हुई। प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता किसी भी तरह की जनहानि को रोकना है, इसलिए राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। राष्ट्रीय मौसम एजेंसियों के अनुसार, 'बावी' इस साल चीन में आने वाला नौवां बड़ा तूफान है। यह शनिवार रात करीब 11:20 बजे झेजियांग प्रांत के काउंटी स्तर के शहर युहुआन के तट से टकराया।

तूफान के लिए ऑरेंज अलर्ट

तूफान की गंभीरता को देखते हुए चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अत्यधिक बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, तूफान के प्रभाव को लेकर ऑरेंज अलर्ट भी लागू है। मौसम विशेषज्ञ लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं।

बीजिंग समेत कई शहरों में प्रशासन हाई अलर्ट पर

तूफान के असर को देखते हुए राजधानी बीजिंग सहित कई शहरों में आपदा प्रबंधन एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। चीन ने बाढ़ नियंत्रण और आपदा राहत के प्रयासों को तेज़ कर दिया है। राहत दलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और स्थानीय प्रशासन लोगों से घरों के भीतर रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने तथा मौसम विभाग के निर्देशों का पालन करने की अपील कर रहा है(

इन इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश की आशंका

मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार दोपहर तक झेजियांग, उत्तरी फुजियान, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी और दक्षिणी अनहुई में बेहद तेज बारिश हो सकती है। इसके अलावा बीजिंग और हेबेई के कुछ हिस्सों में भी भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

जलभराव और भूस्खलन का बढ़ा खतरा-लगातार हो रही बारिश के चलते निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने लगी है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा भी बढ़ गया है(प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना जरूरी कारण घर से बाहर न निकलें)

नेपाल में युवाओं का उबाल, तीन दिन में तीन आत्मदाह, घिरी बालेन सरकार

● काठमांडू / (एजेंसी)

नेपाल एक बार फिर युवाओं के आक्रोश का केंद्र बन गया है। बढ़ती बेरोजगारी, आर्थिक संकट और सरकारी नीतियों से नाराज युवाओं का गुस्सा अब सड़कों पर खुलकर दिखाई देने लगा है।

पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं द्वारा आत्मदाह का प्रयास किए जाने की घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इनमें से दो युवाओं की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से झुलसी हालत में अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। इन घटनाओं के बाद राजधानी काठमांडू सहित कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं और प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन के इस्तीफे की मांग जोर

दो युवाओं की मौत, एक गंभीर रूप से झुलसा

पकड़ने लगी है। युवाओं का कहना है कि सरकार रोजगार, शिक्षा और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। लगातार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के कारण युवाओं का भविष्य संकट में है, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई प्रभावी कदम उठाती नजर नहीं आ रही। यही वजह है कि अब विरोध केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सड़कों पर भी बड़ी संख्या में युवा उतर रहे हैं। राजधानी काठमांडू में प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह ने चुनाव के दौरान युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। युवाओं को उम्मीद थी कि नई सरकार रोजगार सृजन, शिक्षा और आर्थिक सुधारों पर तेजी से काम करेगी, लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं। विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। पार्टी का कहना है कि सरकार युवाओं में भरोसा और उम्मीद जगाने में पूरी तरह असफल रही है।

नोएडा एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, आरएनएन। साइबर क्राइम पुलिस ने जेवर के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। साइबर क्राइम पुलिस नोएडा ने इस मामले में शहर के सेक्टर 22 में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर पर छापेमारी की और पांच आरोपियों को पकड़ा है। यह कॉल सेंटर लंबोदर इंस्टीट्यूट के नाम से संचालित हो रहा था। साइबर ठग प्रतिष्ठित एविएशन कंपनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। यह कार्रवाई प्रतिबिम्ब पोर्टल से मिली सटीक सूचना, तकनीकी विश्लेषण के आधार पर सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस के सहयोग से की गई।

इजराइल में बजा चुनावी बिगुल

38 साल बाद तय समय पर 27 अक्टूबर को होगा मतदान

● तेल : (एजेंसी)

नेतन्याहू रहेंगे या जाएगी सत्ता

इजराइल में अगले आम चुनाव की तारीख तय हो गई है। देश में 27 अक्टूबर 2026 को मतदान होगा। खास बात यह है कि 38 साल बाद चुनाव तय कार्यक्रम के मुताबिक कराए जाएंगे। इतना ही नहीं, 53 साल में पहली बार कोई सरकार अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने के बाद चुनाव में पहुंचेगी। ऐसे में सबकी नजर इस बात पर होगी कि बेंजामिन नेतन्याहू फिर सत्ता में लौटते हैं या जनता किसी नए नेतृत्व पर भरोसा जताती है।

इजराइल में 2026 के चुनाव की तारीख आधिकारिक तौर पर 27 अक्टूबर तय की गई है। यह वही तारीख है, जो पूर्व में तय थी। गठबंधन सरकार की मांग के बाद चुनाव तय समय पर कराने का फैसला लिया गया। अब चुनाव में करीब 107 दिन बाकी हैं।

53 साल बाद कार्यकाल पूरा करेगी सरकार

इजराइल की राजनीति लंबे समय से अस्थिर रही है। अक्सर गठबंधन टूटने, बहुमत खोने या राजनीतिक संकट की वजह से समय से पहले चुनाव कराने पड़े। इस बार हालात अलग हैं। मौजूदा सरकार अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने के बाद चुनाव में उतर रही है। ऐसा 53 साल बाद हो रहा है। बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही साफ कर चुके हैं कि वह चुनाव लड़ेंगे। उनका कहना है कि वह ऐसी राष्ट्रीय सरकार बनाना चाहते हैं, जो सिर्फ किसी एक विचारधारा पर आधारित न हो। चुनाव प्रचार में उनका फोकस सुरक्षा के मुद्दों पर रहेगा। खासकर ईरान और लेबनान के हिजबुल्लाह के खिलाफ चलाए गए सैन्य अभियानों को वह जनता के सामने प्रमुख मुद्दे के रूप में रख सकते हैं। पिछले हफ्ते चैनल 12 न्यूज के सर्वे में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और गादी आइजनकोट की पार्टी के बीच कड़ी टक्कर दिखाई गई। दोनों दलों को 120 सदस्यीय संसद में 23-23 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहने वाला।

महिला सिपाही और बहन को अगवा कर किया रेप

पटना, आरएनएन। बिहार के वैशाली जिले केगेरौल थाना क्षेत्र में एक महिला होमगार्ड जवान और उसकी बहन को अगवा कर दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामला प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद से जुड़ा है। पीड़िता के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों के मुताबिक, महिला होमगार्ड सिपाही और उसकी बहन जब बाजार से लौट रही थीं, तभी गांव के ही सुबोध पासवान ने अपने भाई और दो अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर दोनों का अपहरण कर लिया। परिजनों का कहना है कि आरोपियों ने महिला सिपाही को एक घर में कैद कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

साइबर ठगी से बनाई करोड़ों की संपत्ति

मेरठ, (आरएनएन)। शहर में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड से कथित तौर पर बनाई गई करोड़ों की संपत्ति को कुर्क कर दिया। थाना लोहियानगर पुलिस ने जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोपी अलाउद्दीन की करीब 2.50 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की थाना लोहियानगर पुलिस ने जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोपी अलाउद्दीन की करीब 2.50 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क कर दी. पुलिस का कहना है कि आरोपी ने साइबर फ्रॉड से अवैध कमाई कर मेरठ के ग्राम बाजोट में कई प्लॉट और एक मकान खरीदा था।

डॉ. मेनन कल अंतरिक्ष के लिए भरेंगे उड़ान

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से आईएसएस के लिए 8 माह के मिशन पर रवाना होंगे। इस मिशन के दौरान वह कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे, जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल जैसे गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं।

इस बार मिशन में उनके साथ कौन

अनिल मेनन, कॉस्मोनॉट प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे।

नासा ने उन्हें कब चुना

दिसंबर 2021 में नासा ने अनिल मेनन का चयन अंतरिक्ष यात्री के रूप में किया। इसके बाद गले महीने उन्होंने दो वर्ष का कठोर अंतरिक्ष प्रशिक्षण शुरू किया।

उनकी पत्नी भी क्यों हैं चर्चा में

मेनन की पत्नी अन्ना विल्हेम भी अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने सितंबर 2024 में स्पेसएक्स द्वारा संचालित निजी मानव अंतरिक्ष मिशन ''पोलारिस डॉन'' के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। यह मिशन लगभग पांच दिनों तक चला था।

आईएसएस पर अनिल मेनन कई अनूठे प्रयोग करेंगे

आईएसएस पर रहते हुए मेनन लंबी अवधि की अंतरिक्ष उड़ानों के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का शोध करेंगे। वह यह जांच करेंगे कि माइक्रोग्रैविटी अंतरिक्ष यात्रियों में रक्त प्रवाह, नसों की संरचना और रक्त की बनावट को किस तरह प्रभावित करती है।

भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए उनका शोध अति महत्वपूर्ण होगा

मेनन स्टेशन के पीने योग्य पानी की प्रणाली का उपयोग करके इंट्रावेनस (आईवी) फ्लूइड तैयार करने की तकनीक का भी परीक्षण करेंगे। भविष्य के डीप स्पेस मिशनों में, जहां मेडिकल सप्लाई सीमित होगी, यह तकनीक बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। इसके साथ ही वह अंतरिक्ष में सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के बेहतर उत्पादन पर भी शोध जारी रखेंगे, ताकि हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत मेडिकल उपकरणों के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का बड़े पैमाने पर निर्माण संभव हो सके।

अंतरिक्ष चिकित्सा का भविष्य एआई बदलेगी

मेनन ऑगमेंटेड रियलिटी और एआई की मदद से अल्ट्रासाउंड जांच भी करेंगे। इस तकनीक से भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में पृथ्वी से तत्काल मेडिकल सहायता की जरूरत काफी हद तक कम हो सकती है।

कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा बालरंगमंच कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली, 12 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली की चिल्ड्रन विंग्स के तत्वावधान में नीमच स्थित फ्यूचर प्राइड स्कूल में 30 दिवसीय बालरंगमंच कार्यशाला आयोजित की जा रही है। यह कार्यशाला कलाव्योम फाउंडेशन और रंगाभास नाट्यशाला के संयुक्त सहयोग से संचालित हो रही है।

कार्यशाला में बच्चों को अभिनय के साथ-साथ रचनात्मक और कलात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सह-निर्देशिका एवं प्रशिक्षिका सावित्री जी बच्चों को चित्रकला, ड्रीम होम और ड्रीम ट्री की कल्पना पर आधारित चित्र निर्माण, थिएटर गेम्स, स्टोरी टेलिंग, वॉयस एंड स्पीच, फोकस, एक्शन-रिएक्शन तथा इम्प्रोवाइजेशन जैसी गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित कर रही हैं। बच्चों को स्वयं कहानी लिखने और उसे मंचीय रूप देने का भी अभ्यास कराया जा रहा है।

कार्यशाला के निर्देशक सुशील कान्त मिश्रा प्रतिभागियों को मूवमेंट और कोरियोग्राफी का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे बच्चों को समझा रहे हैं कि किस प्रकार विभिन्न मूवमेंट्स मिलकर एक प्रभावी नृत्य-नाट्य संरचना का रूप लेते हैं। साथ ही संगीत प्रशिक्षण, गीत लेखन और धुनों में पिरोने की प्रक्रिया से भी बच्चों को परिचित कराया जा रहा है।

निर्देशक ने बताया कि एक अच्छे अभिनेता के लिए केवल अभिनय कौशल ही नहीं, बल्कि पढ़ने-लिखने की आदत, इतिहास, समाज और साहित्य की समझ भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शरीर के सभी अभिव्यक्तिमूलक उपकरणों का निरंतर अभ्यास ही अभिनेता की वास्तविक पूंजी होता है।

कार्यशाला में बच्चों की बढ़ती रुचि और सक्रिय भागीदारी को लेकर आयोजक उत्साहित हैं। सभी प्रशिक्षार्थी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं।

इस 30 दिवसीय कार्यशाला का समापन 26 जुलाई 2026 को टाउन हॉल, नीमच (मध्य प्रदेश) में होगा, जहां बच्चों द्वारा स्वयं लिखी और तैयार की गई रंगमंचीय प्रस्तुति मंचित की जाएगी। इसके लिए नियमित अभ्यास जारी है।

सीनेटर और ट्रम्प के सहयोगी लिंडसे ग्राहम का 71 वर्ष की उम्र में निधन

लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख चेहरों में थे शामिल

● वॉशिंगटन / (हि.स.)

अमेरिका के वरिष्ठ रिपब्लिकन नेता और साउथ कैरोलिना से सीनेटर व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी लिंडसे ग्राहम का शनिवार रात निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। उनके कार्यालय ने रविवार तड़के जारी बयान में बताया कि अचानक बीमारी के बाद उनका निधन हुआ।

परिवार ने लोगों से प्रार्थना करने और इस कठिन समय में निजता बनाए रखने की अपील की है। लिंडसे ग्राहम अमेरिकी राजनीति में रिपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते थे। वह 1994 में पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए थे। 2002 में वह सीनेट पहुंचे और तब से साउथ कैरोलिना का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

हाल ही में ग्राहम ने यूक्रेन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात कर रूस-यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी। सीनेट में ग्राहम बजट समिति के अध्यक्ष थे। इसके अलावा वह एप्रोप्रिएशंस कमेटी, ज्यूडिशियरी कमेटी और एनवायरमेंट एंड पब्लिक वर्क्स कमेटी के सदस्य भी रहे।

राजनीति में आने से पहले ग्राहम अमेरिकी वायुसेना में वकील के तौर पर सक्रिय ड्यूटी पर थे। बाद में उन्होंने साउथ कैरोलिना एयर नेशनल गार्ड में भी सेवा दी। खाड़ी युद्ध के दौरान उन्हें दोबारा सक्रिय सैन्य ड्यूटी के लिए बुलाया गया था। गौरतलब है कि वे भारत पर 500 फीसदी टैरिफ लगाना चाहते थे। वहीं ईरान ने उन्हें अपनी हिट लिस्ट में रखा था। कुछ लोगों का कहना है कि उनकी मौत जहर देने से हुई। ईरान में उनकी मौत की खुशियां मनाई गई।

आज का इतिहास

- **1830** : राजा राम मोहन राय और अलेक्जेंडर डफ ने पांच छात्रों के साथ स्कॉटिश चर्च कॉलेज शुरू किया था।
- **1892** : पद्म भूषण से सम्मानित भारत की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका केसरबाई केरकर का जन्म।
- **1929** : क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ ने अपनी ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की।
- **1944** : राजनीतिक दल मिजो नेशनल फ्रंट के राजनीतिज्ञ जोरामथंगा का जन्म।
- **1974**: भारतीय क्रिकेट टीम ने अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय मैच इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले, लीड्स में खेला।

स्मृति शेष... तेलुगु ब्राह्मण रीति-रिवाज से हुआ अंतिम संस्कार, उनकी पोती ने दी चिता को मुखाग्नि

गायिका जानकी राजकीय सम्मान से पंचतत्व में विलीन

● मैसूर / (हि.स.)

सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका एस. जानकी का रविवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जानकी (88) का शनिवार शाम मैसूर के निजी अस्पताल में निधन हो गया था। रविवार शाम उनके पैतृक फार्महाउस पर तेलुगु ब्राह्मण रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार हुआ, जहां उनकी पोती अप्सरा ने चिता को मुखाग्नि दी।

एस. जानकी अमूल्य धरोहर: पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा कि एस. जानकी की आवाज भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर रहेगी। 1957 में गायन की शुरुआत करने वाली एस. जानकी ने 2017 में सक्रिय गायन से संन्यास की घोषणा की थी। जनवरी 2026 में उनके इकलौते बेटे मुरली कृष्ण का भी हृदयाघात से निधन हो गया था।

एस जानकी ने 48 हजार से अधिक गीत किए रिकॉर्ड

पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, अभिनेता रजनीकांत सहित अनेक नेताओं और कलाकारों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। करीब छह दशक लंबे संगीत सफर में एस. जानकी ने 48 हजार से अधिक गीत रिकॉर्ड किए। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भारतीय भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। हिंदी में 'बोल बेबी बोल', 'यार बिना चैन कहां रे', 'ओ मारिया', 'प्रभु मोरे अवगुण' और 'गोपाला-गोपाला' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं। अपने शानदार योगदान के लिए उन्हें चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सहित अनेक सम्मान मिले। 2013 में घोषित पद्म भूषण सम्मान उन्होंने यह कहते हुए स्वीकार नहीं किया था कि दक्षिण भारतीय कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर देर से पहचान मिलती है।

टोरंटो में फायरिंग से दो लोगों की मौत, कई घायल

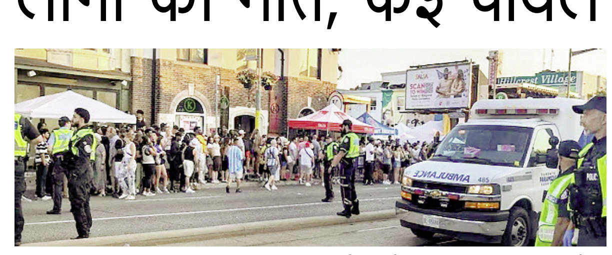

● वैंकूवर / (एजेंसी)

कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो में शनिवार रात दुकानों और रेस्टोरेंट से भरे एक व्यस्त इलाके में अचानक हुई गोलीबारी से हड़कंप मच गया।

एक सिरफिरे शूटर ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर 2 लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जबकि तीन अन्य लोग इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह खूनी खेल उस समय खेला गया जब इलाके में मशहूर साल्सा फेस्टिवल चल रहा था, जिसके कारण वहां भारी संख्या में लोग मौजूद थे। गोलीबारी शुरू होते ही उत्सव की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं

चीख-पुकार में बदली उत्सव की खुशियां

और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए टोरंटो पुलिस ने तुरंत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चेतावनी जारी की थी।

संपादकीय

जहरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित कैंसर बेल्ट के रूप में हमारे सामने मौजूद है। निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुमार्ना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दशार्ता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का-दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम-कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा-शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है। अब मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने का वक्त है।

पुस्तक चर्चा

ईमान का बोझा (व्यंग्य संग्रह)

(समकालीन विसंगतियों का आईना)

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

आजादी के बाद से देश ने प्रत्येक क्षेत्र में खूब प्रगति की है।

यदि कुछ ह्रास हुआ है तो वह है नैतिकता, आचरण और जीवन मूल्यों में लगातार गिरावट स्पष्ट दिखती है।

साहित्य की विभिन्न विधाओं में व्यंग्य वह औजार है जो इन विसंगतियों पर सफलता से प्रहार कर रहा है।

डॉ. अनुराग वाजपेयी उनके पिछले आधा दर्जन व्यंग्य संग्रहों के माध्यम से अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कर चुके हैं। उनके द्वारा रचित यह नव प्रकाशित व्यंग्य संग्रह ईमान का बोझा इसी कसौटी पर खरा उतरने वाला एक प्रभावशाली संग्रह है। यह किताब समकालीन भारतीय समाज, राजनीति, प्रशासन और आधुनिक जीवनशैली की उन परत-दर-परत विसंगतियों को खोलती है, जिनसे आज का सामान्य नागरिक नित्य जूझ भी रहा है, तथा विडंबना और हास्यास्पद है कि जहां भी जिसे जो अवसर मिल रहा है वह बेइमानी से बाज नहीं आ रहा। बेईमानी नया सामाजिक लोकाचार बनता जा रहा है।

पुस्तक का शीर्षक ईमान का बोझा मार्मिक और व्यंग्यात्मक है। लेखक ने बड़े ही तीखेपन से यह स्थापित किया है कि आज के दौर में ईमानदारी एक भारी पत्थर की तरह है, जिसे ढोना कठिन हो गया है। जो व्यक्ति जितना अधिक हल्का (यानी सिद्धांतहीन) है, वह उतनी ही तेजी से सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहा है। यह आधुनिक भौतिकवादी समाज में कड़वा यथार्थ है।

लेखक ने प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली, बाबुओं की मानसिकता और भ्रष्टाचार के जो चित्र खींचे हैं, वे यथार्थ के दर्शन करवाते हैं। रिश्वतखोरी के नए तौर-तरीकों पर कटाक्ष करते हुए लेखक दिखाते हैं कि कैसे समाज में अनैतिकता को अब सभ्यता का लबादा ओढ़ा दिया गया है।

कोरोना काल, एवं लॉकडाउन के कुछ व्यंग्य किताब में शामिल हैं। इससे स्पष्ट

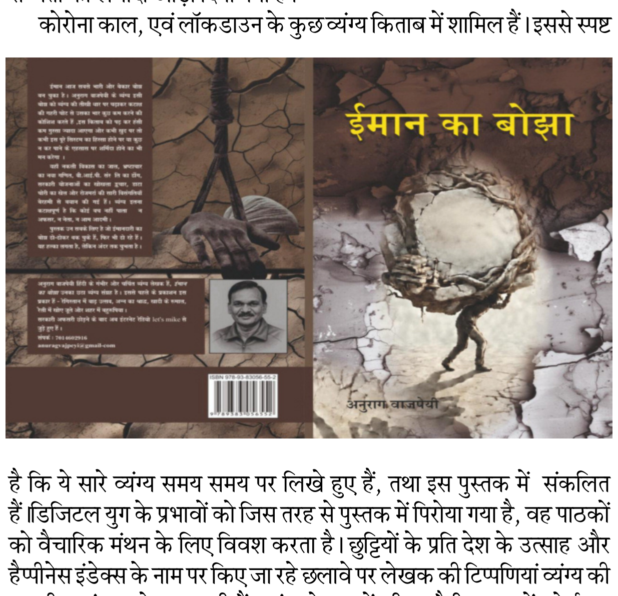

है कि ये सारे व्यंग्य समय समय पर लिखे हुए हैं, तथा इस पुस्तक में संकलित हैं। डिजिटल युग के प्रभावों को जिस तरह से पुस्तक में पिरोया गया है, वह पाठकों को वैचारिक मंथन के लिए विवश करता है। छुट्टियों के प्रति देश के उत्साह और हैप्पीनेस इंडेक्स के नाम पर किए जा रहे छलावे पर लेखक की टिप्पणियां व्यंग्य की शास्त्रीय परंपरा को पुष्ट करती हैं। व्यंग्य के मूल्यों की कसौटी पर परखें, तो ईमान का बोझा समाज को आईना दिखा रहा है। लेखक केवल हास्य रंजन करने वाले व्यंग्यकार नहीं हैं। वे समाज के प्रति अपनी अकुलाहट और चिंता उनकी कलम से व्यक्त करते हैं। अनुराग वाजपेयी की भाषा सहज है, वाक्य रीडर्स फ्रेंडली हैं। लेकिन उसमें कटाक्ष की धार पैनी है। वे कठिन विषयों को भी रोचक किस्सागोई के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं, जो व्यंग्य अभिव्यक्ति की बड़ी ताकत है।

पुस्तक केवल समस्याओं को नहीं गिनाती, बल्कि उन कारणों पर भी प्रहार करती है जो व्यक्ति को बेईमान बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ईमान का बोझा आज के दौर का यथार्थ पाठ है। यह पुस्तक उन लोगों के लिए है जो व्यवस्था की चक्की में पिस रहे हैं और जो ईमानदारी का बोझ ढोकर भी मुस्कान बनाए रखना चाहते हैं। डॉ. अनुराग वाजपेयी ने इस संग्रह के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि व्यंग्यकार का काम केवल व्यवस्था को कोसना नहीं, बल्कि पाठकों के भीतर छिपे उस जागरूक नागरिक को जगाना है, जो शोर-शराबे में कहीं खो रहा है। यह संग्रह व्यंग्य साहित्य के प्रेमियों और अध्येताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

किताब खरीद कर पढ़ने की सलाह है। ये 100 पृष्ट एक दस्तावेज हैं। 34 आलेख हैं, सभी एक दूसरे से बेहतर सुगठित ललित साहित्यिक मूल्यों पर खरे हैं।

ईमान का बोझा (व्यंग्य संग्रह)
लेखक -डॉ. अनुराग वाजपेयी
प्रकाशक - प्रकाशन, जयपुर
(संस्करण -2026)
मूल्य- रु 250/-

सिंधु जल संधि: भारत का सख्त रवैया और पाकिस्तान की बढ़ती बेचैनी

मृत्युंजय दीक्षित

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ जब से सिन्धु जल समझौता रद्द किया है, पाकिस्तान लगातार पूरी दुनिया के समक्ष पीड़ित देश होने का नाटक कर रहा है और हाथ-पांव मार रहा है कि किसी तरह दबाव में आकर भारत सिंधु जल समझौता बहाल कर दे। इसके साथ ही उसके पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी नेता विलावल भुटटो भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देने लगे हैं। भारत के कड़े तेवरों के कारण सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की बैचेनी अब चरम पर पहुंच चुकी है। इस्लामाबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया जिसमें पाकिस्तानी मंत्रियों और सांसदों ने भारत को धमकी देने का प्रयास किया। पाक उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि सिंधु जल संधि सिर्फ पानी बांटने का समझौता नहीं अपितु दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और सहयोग की मजबूत नीव है।

दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों में भारत एक माह में ही चार बार पाकिस्तान को आईना दिख चुका है। बिलावल ने धमकी देते हुए बयान दिया कि अगर पाकिस्तान के पानी को रोकने का प्रयास हुआ तो यह पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला माना जाएगा और यह परमाणु प्रतिक्रिया जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। आज पाकिस्तान सिंधु जल के लिए तरस रहा है और उसका असर वहां की आम जनजीवन पर दिखलाई पड़ने लगा है। इतना होने पर भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है।

वह लगातार भारत के विरुद्ध आतंकवादी गतिविधियों को चला रहा है और आतंकियों को संरक्षण दे रहा है। अतः रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी पाकिस्तान को स्पष्ट सन्देश दे दिया है कि अब वह सिंधु जल समझौता पूरी तरह से भूल जाए क्योंकि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता।

इस बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह हुआ है कि भारत और पाकिस्तान की तथाकथित 116 बुद्धिजीवी हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर शांतिवार्ता पुनः शुरू करने की वकालत की है जिसे भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया है। एक बार फिर बता दिया है कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता।

सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस के अध्यक्ष ओपी शाह की तरफ से 116 प्रमुख हस्तियों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 60 भारत व 56 पाकिस्तान से है। अब इन हस्तियों में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नाम भी जुड़ गया है। भारत की जिन 61 हस्तियों ने इस पत्र में हस्ताक्षर किए हैं उनमें अधिकतर वही लोग हैं जिन्होंने भारत पर हुए अब तक के किसी भी आतंकवादी हमले की ना तो निंदा की और न पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की सदा से पाकिस्तान के प्रति ही संवेदनाएं रही हैं, उन्हें पाकिस्तान के प्रति प्रेम रहा है, उनके बयान पाकिस्तानी मीडिया में छाए रहते है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का पटाक्षेप होने के बाद से महबूबा मुफ़्ती सईद और फारुख अब्दुल्ला परिवार पाकिस्तान प्रेम में छटपटा रहा है। राजद सांसद मनोज झा जिनकी भारत में कोई राजनैतिक हैसियत नहीं है ऐसे ही पाकिस्तान प्रेमी 61 लोगों की सूची देखने के बाद इन सभी की मंशा स्पष्ट हो रही है कि ये लोग वास्तव में शांति के नकली नायक बनकर भारतीयों और दुनिया के तमाम लोगों का ध्यान खींचना चाह रहे हैं और अपनी उपस्थिति का एहसास बिल्कुल उसी तरह कराना चाह रहे हैं और जिस प्रकार अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर और शाहबाज शरीफ मध्यस्थ बनकर शांति का ढिंढोरा पीट रहा था।

यह अत्यंत दुर्भाग्य की बात है शांति का ढिंढोरा पीटने वाले 1970 से लेकर पहलगाम तक जितने भी आंतकी हमले हुए उन्हें भूल चुके हैं।

भारत ने पाकिस्तान को शांति वार्ता करने के कई अवसर दिए और बारंबार दिए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तो बस लेकर पाकिस्तान गए थे, उसके बाद भारत को कारगिल का युद्ध लड़ना पड गया। पाकिस्तान भारत के खिलाफ न केवल आंतकवाद की समस्या पैदा कर रहा है अपितु भारत में शाति भंग करने व विकास कार्यों में बाधा पहुँचाने के लिए हर प्रकार की घृणित व विकृत साजिशों को लगातार अंजाम दे रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ही साजिशें रच रही थी।

आज जिन लोगों ने भारत और पाकिस्तान के साथ शांतिवार्ता शुरू करने की जो वकालत की है वे लोग तब कहाँ चले गए थे जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हो रहा था, हिन्दू बहिन-बेटियों पर क्रूर और शर्मनाक अत्याचार किये जा रहे थे। इन लोगों ने अपना पत्र ऐसे समय में लिखा है जब पाकिस्तान पाक अधिकृत कश्मीर में अपना दमनचक्र चला रहा है। पूरा पीओजेके पाकिस्तान के वर्चस्व से स्वतन्त्र होना चाह रहा है। अतः इन हस्तियों को ऐसे समय में पीओजेके के आंदोलनकारियों के समर्थन में आना चाहिए था और पाकिस्तान से कहना चाहिए था वह पाक अधिकृत कश्मीर को पूरी तरह से स्वतंत्र करे और बलूचिस्तान को भी आजादी दे। किंतु इन लोगों ने ऐसा कोई मुद्दा अपने पत्र में नहीं उठाया है जिससे इन लोगों की मंशा पर संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि इन लोगों ने अपने पत्र के माध्यम से पुलवामा में 40 जवानों की शहादत से लेकर पहलगाम हमले की निंदा तक नहीं की और उसे इतनी आसानी से भूल गए। वास्तविकता यह है कि आज जो लोग पत्र लिख रहे हैं इन्हें न भारत देश से कोई प्रेम है और न भारत की जनता से, ये राजनैतिक और आर्थिक स्वार्थ के लिए नाटक कर रहे हैं।

भारत तो हमेशा से वार्ता की वकालत करता रहा है और आज भी कर रहा है। वह कई बार हर मंच पर स्पष्ट भी कर चुका है कि अब पाकिस्तान के साथ वार्ता केवल आतंकवाद पर होगी, बिना किसी मध्यस्थ के होगी और पाकिस्तान को पाक अधिकृत कश्मीर तत्काल प्रभाव से खाली करना ही होगा।

ताजा घटनाक्रम में, भारत के विरुद्ध षड्यंत्रों में शामिल रहने वाला चीन भी अब सिन्धु जल संधि के मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। देश को अपने वर्त्तमान नेतृत्व, रणनीति कारकों और सेना पर विश्वास रखना चाहिए कि वे इन षड्यंत्रकारी पड़ोसी देशों के षड्यंत्र को कभी सफल नहीं होने देंगे तथा भारत को सशक्त और सबल राष्ट्र के रूप में और स्थापित करेंगे।

भारत और इण्डोनेशिया के अंतस छंदस एक

हृदयनारायण दीक्षित

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश इण्डोनेशिया है। वह भारत को लेकर पारिवारिक रिश्ते की घोषणा कर चुका है। इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के साथ इण्डोनेशिया के संबंधों का खूबसूरत उल्लेख किया है। इण्डोनेशिया की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति सुबियांतो ने आगे बढ़कर मोदी की प्रशंसा की।

भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष प्राचीन है। अपने जन्म स्थान भारत में इस संस्कृति और सभ्यता की जड़ें गहरी हैं। व्यवसायिक व अन्य कारणों से भारत छोड़कर विदेश में रहने वाले भारतीय सभ्यता और संस्कृति को लेकर स्वाभिमान अनुभव करते हैं। 28 करोड़ आबादी वाला इण्डोनेशिया भारतीय संस्कृति से भरा पूरा है। यहां लगभग 10000 उपासना स्थल व मंदिर हैं। श्रीराम इण्डोनेशिया की संस्कृति में छाए हुए हैं। पूरे देश के कोने-कोने में रामकथा होती रहती है।

इण्डोनेशिया और भारत के रिश्ते बहुत पुराने हैं। इण्डोनेशिया के लोग अपने अंतःकरण में भारत को अनुभव करते हैं। इण्डोनेशिया की हवाई सेवा का नाम गरुड़ एयरवेज रहा है। भारत में जो उपजिलाधिकारी प्रशासक होते हैं, इण्डोनेशिया में उन्हें महिपाल कहते हैं। इण्डोनेशिया के लोग विजयादशमी, होली आदि भारतीय त्योहारों का आनंद लेते हैं। इण्डोनेशिया में रामलीला होती है और उसके अधिकांश पात्रों का मजहब इस्लाम होता है। इण्डोनेशिया के लोग मानते हैं कि वे धर्म से और मजहब से इस्लामी हैं लेकिन संस्कृति से भारतीय हैं। यही संस्कृति इण्डोनेशिया और भारत का एकात्मक स्वरूप गढ़ती है।

प्रधानमंत्री के इस दौरे में स्वाभाविक ही दोनों पक्ष बढ़-चढ़कर एक-दूसरे की आवभगत कर सकते थे लेकिन यहां बात कुछ दूसरी ही थी। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया और पाया है कि उनका डीएनए भारतीय है। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत सुनते समय शरीर को थिरकता हुआ पाते हैं। बात सही भी है। अपनी जड़ों से जुड़ना सबको आनंदित करता है। इण्डोनेशिया की संस्कृति और भारत की संस्कृति की जड़ें एक हैं। इन जड़ों को सींचते रहना सबका दायित्व है। जैसे जड़ से सूखे पेड़ पर फूल नहीं खिलते। उन पर पक्षी गीत नहीं गाते।

पाकिस्तान को ही लीजिए पाकिस्तान और भारतीय संस्कृति की जड़ें एक हैं। इस सभ्यता का विकास सिन्धु और सरस्वती नदियों की जड़ों से निकला है। पाकिस्तान अपनी मूल संस्कृति से पृथक है। जिन्ना और मुस्लिम लीग ने भारत को दो देश माना था। मजहब के आधार पर देश बनाने से राष्ट्रीय क्षति हुई है। पाकिस्तानी भूभाग में उदासी रहती है। नदियां उदास होकर बहती हैं। मजहबी कट्टरपंथ के कारण पाकिस्तान आतंकवाद की यूनिवर्सिटी बन चुका है। वे संस्कृति सत्य स्वीकार नहीं करते। यह संस्कृति हजारों वर्ष के साहचर्य से विकसित हुई है। पूर्वजों ने दीर्घकाल के अनुभवों के आधार पर इसे बड़े प्यार से गढ़ा है। दर्शन और विज्ञान ने इस सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व किया है। यहां हजारों वर्ष प्राचीन सांस्कृतिक निरंतरता है। वैदिक काल के पूर्व के समाज में संपूर्ण मनुष्यता के प्रति एक प्रेमपूर्ण प्रवाह है। ऋग्वेद में उसकी झलक मिलती है। फिर उत्तर वैदिक काल में भी वही सांस्कृतिक निरंतरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा है कि, हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है। उन्होंने बताया है कि, उनकी भाषा का लगभग पचास प्रतिशत हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे बहुत से नाम संस्कृत में हैं इसलिए हमारे बीच ऐसी स्वाभाविक निकटता है।

संस्कृति का निर्माण दीर्घकाल में होता है। प्रकृति प्रतिपल नया गढ़ती है। मनुष्य प्रकृति के सत्य, शिव और सुंदर को अंगीकृत करते हैं। ऐसे ही मनुष्य संस्कृति गढ़ते हैं। भारतीय संस्कृति का यह प्रवाह और प्रभाव भौगोलिक नहीं था। यह आयानार्ं में भी व्याप्त थी। आयानार्ं ही आज ईरान है। यही गांधार में प्रवाहित थी। कौरव वंशी राजा धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी वहीं की थीं। यही गांधार आज का अफगानिस्तान है। यह खोतान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, श्याम (थाईलैंड), कम्बोडिया, चम्पा और मलेशिया तक व्याप्त रही। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कभी वह भी हिन्दू सांस्कृतिक क्षेत्र था। इंडोनेशिया आज भी अपनी पुरानी सांस्कृतिक परम्परा से अनुरक्त हैं। फिलीपाइन्स, तिब्बत, बेरूबाड़ी तीन बीघा क्षेत्र तक व्याप्त यही हिन्दू संस्कृति महर्षि और्व के क्षेत्र अरब में भी प्रवाहित थी। जापान, कोरिया, मंगोलिया, साइबेरिया, इंग्लैंड, आयरलैंड, इटली, ग्रीस, मिस्र और आस्ट्रेलिया जैसे राज्य-क्षेत्र भी इस संस्कृति के उपासक रहे। दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीडाड आदि देशों में इसका प्रभाव क्षेत्र सुविदित है। बेशक किन्हीं खास भौगोलिक सीमाओं में ही संस्कृति का विकास होता है। देश, राष्ट्र या राज्य जैसी सीमाएँ संस्कृति बोधक नाम पाती हैं पर दुनिया के सभी क्षेत्रों/देशों/राज्यों की संस्कृति दर्शन, विचार-शैली, काव्य-साहित्य और विभिन्न कलाओं के रूप में ही प्रकट होती है। भारतीय संस्कृति का अध्ययन भी इसी सामग्री के आधार पर किया जाना चाहिए।

ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन साहित्य, काव्य, समाजशास्त्र और तत्कालीन समाज-संस्कृति का दर्पण है। समूचा वैदिक साहित्य लोकमंगल की कामना है। इसमें सामाजिक संगठन के साथ-साथ अकरणीय-करणीय के सूत्र भी हैं। यहाँ शरीरविज्ञान, नक्षत्र विज्ञान, जंतुविज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकी, रासायनिकों का विवेचन है। अणुविज्ञान के विश्लेषण की भी समझदारी है। उपनिषद सृष्टि रचना के आदितत्त्व की खोजबीन करते हैं और इन्हें पूरी मानवता के सत्यखोजी बताते हैं। पुराण लोकजीवन को संगठित करने और प्राचीन ज्ञान से फायदा उठाने के साथ-साथ लगातार सत्यखोजी बने रहने की प्रेरणा देते हैं। रामायण और महाभारत महाकाव्य हैं, इतिहास भी हैं। वे भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में स्वविवेक से जीवन यापन की प्रेरणा देते हैं। प्रकृति प्रसाद है, विकृति विषाद है लेकिन संस्कृति महाप्रसाद है। संस्कृति का निर्माण अचानक नहीं होता। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस में स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति सभी राष्ट्रजनों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, संवेदना, आशा, निराशा, प्रतीति, अनुभूति, धीरज, साहस और संयम मयार्दा का अंतस होती है। भारत की संस्कृति हजारों वर्षों की तप-साधना के बाद बनी। सर जान मार्शल ने भी बताया, अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती पर लम्बा इतिहास होना चाहिए। भारतीय संस्कृति दीर्घकालीन तर्क, अनुभव और दर्शन का सुफल है। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

मानसून की चुनौती: आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस?

योगेश कुमार गोयल

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल प्राकृतिक आपदा कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है। यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में लिडार तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और रॉकफॉल बैरियर्स के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूवार्नुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन (आपदा के बाद राहत से आपदा से पहले तैयारी की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही ह्यस्पंज सिटीह्ण मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष ?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है?

राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है।

भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है।

विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है।

स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दशार्ता है।

भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते।

यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है। विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में वॉकेबल सिटी की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है। इसके विपरीत पैदल चलने योग्य शहर स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक संवाद को मजबूत करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार सिंह ने पत्रकारिता के 30 गौरवशाली वर्ष किए पूर्ण

वरिष्ठ पत्रकार एवं ग्लोबल आई, शिकागो के कंसल्टिंग एडिटर राकेश कुमार सिंह ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने 30 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। वर्ष 1996 में नई दिल्ली स्थित 501, आईएनएस बिल्डिंग, रफी मार्ग से प्रकाशित दैनिक जागरण में ट्रेनी रिपोर्टर के रूप में अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत करने वाले राकेश कुमार सिंह ने तीन दशकों की अपनी यात्रा में निष्पक्ष, जनहित और जनसरोकार आधारित पत्रकारिता को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया। इस उपलब्धि के अवसर पर उन्होंने अपने सहयोगियों, संपादकों, वरिष्ठों, साथियों, शुभचिंतकों और पाठकों के प्रति आभार व्यक्त किया। पत्रकारिता के अपने लंबे सफर में राकेश कुमार सिंह ने कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2000 से 2004 तक वे हिंदुस्तान में दक्षिण दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे और बाद में हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड में दिल्ली के चीफ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, अपराध और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली खोजी रिपोर्टिंग की। प्रतिबंधित संगठन सिमी (रक्टक), पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (करक) की गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनेक संवेदनशील मामलों पर उनकी रिपोर्टों को व्यापक सराहना मिली।

राकेश कुमार सिंह को हिंदी पत्रकारिता में खोजी पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले पत्रकारों में भी गिना जाता है। उन्होंने पहली बार हिंदी पाठकों तक इंटेलिजेंस ब्यूरो (क्ह), आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था और गृह मंत्रालय से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की गहन और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाई। उनकी रिपोर्टिंग ने न केवल पाठकों को देश की सुरक्षा व्यवस्था के कई पहलुओं से परिचित कराया, बल्कि खोजी पत्रकारिता के क्षेत्र में नए मानक भी स्थापित किए। अपने पत्रकारिता जीवन में उन्होंने प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने टोटल टीवी में मेट्रो एडिटर के रूप में कार्य किया और बाद में इंडिया न्यूज से भी जुड़े। वर्तमान में वे ग्लोबल आई, शिकागो में कंसल्टिंग एडिटर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही वे नेटवर्क टेन में भी कंसल्टिंग एडिटर के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। अपने 30 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए राकेश कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता उनके लिए केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम रही है। उन्होंने कहा कि इस लंबे सफर में उन्हें अपने सहयोगियों, मार्गदर्शकों और पाठकों का निरंतर स्नेह, विश्वास और समर्थन मिला, जिसने हर चुनौती का सामना करने की प्रेरणा दी। उनके अनुसार यही विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और आगे भी वे इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बदलते दौर में पत्रकारिता की जिम्मेदारियां पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। ऐसे समय में तथ्यों पर आधारित, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता ही लोकतंत्र को मजबूत बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने दोहराया कि उनकी कलम भविष्य में भी सत्य, साहस और जनसरोकार के मूल्यों के साथ जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए समर्पित रहेगी।

पत्रकारिता के इस 30 वर्षीय सफर को मीडिया जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। विभिन्न पत्रकारों, मीडिया सहयोगियों, सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों ने राकेश कुमार सिंह को इस गौरवपूर्ण पड़ाव पर शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घ, सक्रिय और जनपक्षधर पत्रकारिता जीवन की कामना की। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण का प्रतीक है, बल्कि नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए भी ईमानदारी, निष्ठा और जनसेवा की भावना से कार्य करने की प्रेरणा है।

भारत और प्रधानमंत्री वैश्विक शांति में निर्णायक भूमिका निभाएं : अब्दुल्ला एम.ए. अबूशावेश

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम.ए. अबूशावेश ने भारत और प्रधानमंत्री से वैश्विक शांति में निर्णायक भूमिका निभाने की अपील की है। मशहूर पॉडकास्ट एमके टॉक्स पर मोहसिन खान के साथ खास बातचीत में उन्होंने फिलिस्तीन में जारी गंभीर स्वास्थ्य संकट और मानवीय हालात पर खुलकर चर्चा की।

राजदूत अब्दुल्ला एम.ए. अबूशावेश ने बताया कि मौजूदा हालात बेहद चिंताजनक हैं, जहां करीब 11,000 सर्जरी टल चुकी हैं और जीवन रक्षक दवाइयों की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता से जुड़ा संकट है, जिस पर दुनिया को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने भारत की वैश्विक भूमिका पर भरोसा जताते हुए कहा भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने वाला देश है।

भारत न केवल फिलिस्तीन-इजराइल के बीच, बल्कि पूरी दुनिया में शांति स्थापित करने में अहम मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। इस खास बातचीत में युद्ध, शांति, बच्चों के भविष्य और उम्मीद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा की गई। यह इंटरव्यू कई ऐसे सवालों को सामने लाता है, जिन पर अक्सर वैश्विक मंचों पर खुलकर बात नहीं होती।

भारत और फिलिस्तीन के बीच लगभग 75 वर्षों से मजबूत संबंध रहे हैं।

ऐसे समय में जब दुनिया शांति की दिशा में नेतृत्व की तलाश में है नजरें एक बार फिर भारत पर टिकी हुई हैं। एमके टॉक्स पर यह पूरा इंटरव्यू जल्द ही प्रसारित किया जाएगा जिसमें राजदूत के कई अहम और बेबाक विचार सामने आएंगे।

गौतमबुद्ध नगर के पॉकेट 7 सेक्टर 82 में आरडब्ल्यूए द्वारा किया गया पौधारोपण

गौतमबुद्ध नगर। गौतमबुद्ध नगर के ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में रविवार के दिन आरडब्ल्यूए द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। पार्कों में नीम, अमरूद, बेल, आंवला के पौधे लगाए गए। इस दौरान करीब 100 पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा प्रकृति हमें जीवन देती है और निरोग भी रखती है। प्रकृति का संरक्षण करना हम सभी का परम दायित्व है।

शहरों में पेड़ों को काटकर

कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं इसलिए प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

प्रदूषण को रोकने, निरोग रहने का एक मात्र उपाय है कि हम सभी अपने आसपास पौधे जरूर लगाएं।

पौधरोपण के साथ ही उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी अवश्य लें।

इस अवसर पर सुशील पाल , उत्तम चंद्रा, पप्पू सिंह, दीपक तिवारी, गुड्डू चौधरी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, वी के मिश्रा सहित तमाम आरडब्ल्यूए पदाधिकारी मौजूद रहे।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

वैज्ञानिकों का नए अध्ययन में खुलासा

दिल के मरीजों के लिए एक जैसी दवा असरदार नहीं

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हार्ट फेलियर एक गंभीर बीमारी है, जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित हैं। यह बीमारी अस्पताल में भर्ती होने की बड़ी वजहों में से एक है। हालांकि इसके लिए दी जाने वाली दवाई हर तरह के मरीजों के लिए के फायदेमंद नहीं हो सकती। हार्ट फेलियर में दिल शरीर की जरूरत के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में खून पंप नहीं कर पाता। जब दिल सही तरीके से काम नहीं कर पाता तो मरीजों को सांस लेने में परेशानी, जल्दी थकान, पैरों और टखनों में सूजन और रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हार्ट फेलियर हर मरीज में एक जैसा नहीं होता। इसका एक प्रकार ऐसा होता है जिसमें दिल की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और वह खून को ठीक से पंप नहीं कर पाता। इसे हार्ट फेलियर विद रिड्यूस्ड इजेक्शन फ्रैक्शन कहा जाता है। इसके इलाज के लिए कई दवाएं लंबे समय से इस्तेमाल की जा रही हैं। वहीं, हार्ट फेलियर का एक दूसरा प्रकार भी है, जो लगभग आधे मरीजों में देखा जाता है। इसमें दिल खून को सामान्य मात्रा में पंप तो करता है, लेकिन दिल की मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं और ठीक से फैल नहीं पातीं। इस वजह से हर धड़कन के बीच दिल में पर्याप्त खून नहीं भर पाता। इसे हार्ट फेलियर विद प्रिजर्व्ड इजेक्शन फ्रैक्शन (एचएफपीईएफ) कहा जाता है।

डॉक्टर कमजोर दिल वाले हार्ट फेलियर के मरीजों को अक्सर बीटा-ब्लॉकर दवाएं देते हैं। ये दवाएं दिल की धड़कन को धीमा करती हैं और दिल पर पड़ने वाले दबाव को कम करती हैं। इन दवाओं से कमजोर दिल वाले मरीजों में फायदा देखा गया है और

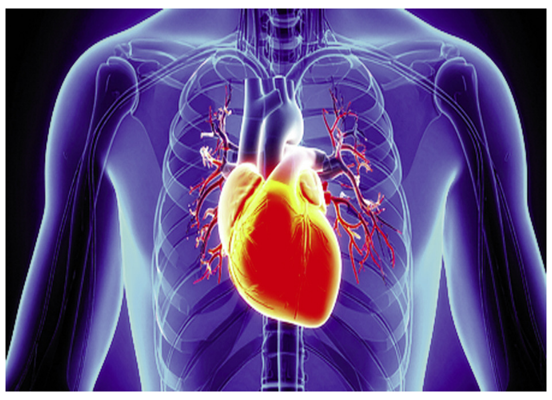

जल्दी थकान, पैरों और टखनों में सूजन और रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत जैसी समस्याएं

इससे अस्पताल में भर्ती होने का खतरा भी कम हो सकता है।

लेकिन क्या ये दवाएं सख्त दिल वाले मरीजों के लिए भी उतनी ही फायदेमंद हैं? इसी बात को जानने के लिए अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ वर्मोंट के शोधकर्ताओं ने एक बड़ी स्टडी की। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ वर्मोंट के डॉ. टिमोथी प्लांटे के नेतृत्व में किया गया और इसे जेएएमए नेटवर्क ओपन में प्रकाशित किया गया। शोधकर्ताओं ने टॉपकैट स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया, जो अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा समर्थित एक बड़ा क्लिनिकल ट्रायल था। इसमें शामिल करीब 80 प्रतिशत मरीज बीटा-ब्लॉकर दवाएं ले रहे थे। इससे शोधकर्ताओं को दवा लेने वाले और दवा न लेने वाले मरीजों के स्वास्थ्य परिणामों की तुलना करने का मौका मिला। स्टडी के नतीजे कुछ चौंकाने वाले रहे। शोधकर्ताओं ने पाया कि सख्त दिल वाले मरीज जो बीटा-ब्लॉकर ले रहे थे, उनमें हार्ट फेलियर बिगड़ने की वजह से अस्पताल में भर्ती होने का खतरा 74 प्रतिशत तक ज्यादा देखा गया। इसका मतलब यह नहीं है कि बीटा-ब्लॉकर हर मरीज के लिए नुकसानदायक हैं, लेकिन यह जरूर संकेत मिलता है कि जो दवाएं कमजोर दिल वाले मरीजों के लिए फायदेमंद हैं, जरूरी नहीं कि वही दवाएं सख्त दिल वाले मरीजों के लिए भी काम करें।

शोधकर्ताओं का मानना है कि इसके पीछे एक कारण यह हो सकता है कि एचएफपीईएफ में दिल पहले से ही ठीक से रिलैक्स नहीं कर पाता। बीटा-ब्लॉकर दिल की गति को धीमा करते हैं, जिससे कुछ मरीजों में दिल के अंदर दबाव बढ़ सकता है। इससे शरीर में पानी जमा होने, सांस फूलने और सूजन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि मरीज अपनी मर्जी से बीटा-ब्लॉकर दवा बंद न करें। कई लोग इन दवाओं का इस्तेमाल हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित दिल की धड़कन, हार्ट अटैक के बाद सुरक्षा या अन्य कारणों से करते हैं। दवा में कोई भी बदलाव डॉक्टर की सलाह के बाद ही करना चाहिए। यह अध्ययन हार्ट फेलियर के एचएफपीईएफ प्रकार के लिए नए और बेहतर इलाज खोजने की जरूरत पर जोर देता है।

पहाड़ों के बीच फिर दिखा मंदाकिनी का खूबसूरत अंदाज

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 80 के दशक में अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाली मंदाकिनी भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी कायम है। जब भी वह किसी खास अंदाज में नजर आती हैं, फैंस उनकी तस्वीरों और वीडियोज को जमकर पसंद करते हैं। इस बार अभिनेत्री हिमाचली संस्कृति के रंग में रंगी नजर आईं। मंदाकिनी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर मनाली की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह हिमाचली पहनावे में बेहद खूबसूरत नजर आईं। उन्होंने सिर पर हिमाचली अंदाज की टोपी और पारंपरिक पोशाक पहनी हुई थी। इसके साथ उनकी पीठ पर फूलों से सजी पारंपरिक टोकरी भी दिखाई दी, जिसने उनके पूरे लुक को और खास बना दिया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि मनाली की यात्रा उनके लिए खुद से दोबारा जुड़ने जैसा एहसास है।

अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए मंदाकिनी ने लिखा कि एक खास तरह की खुशी होती है, जो सिर्फ पहाड़ों में महसूस होती है। देवदार के पेड़ों की सरसराहट, ठंडी हवा का एहसास और प्रकृति की खूबसूरती एक अलग ही शांति देती है। मनाली में हर सूर्योदय किसी

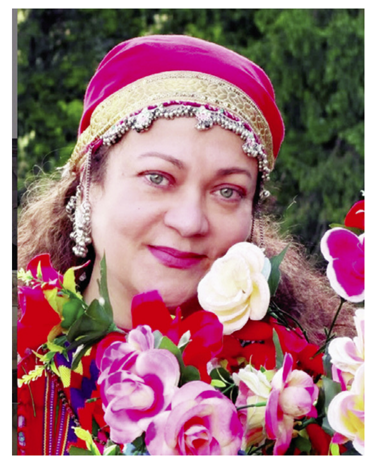

आशीर्वाद जैसा लगता है, हर रास्ता एक कहानी कहता है और हर पल जिंदगी को धीरे-धीरे जीने का मौका देता है। उन्होंने आगे लिखा कि कुछ यात्राएं सिर्फ खूबसूरत जगहों तक नहीं ले जातीं, बल्कि हमें खुद से भी मिलाती हैं। हर नजारा दिल में आभार भर देता है, पहाड़ों की ताजी हवा मन को शांति देती है और हर पल एक ऐसी याद बन जाता है जिसे हमेशा संभालकर रखा जा सकता है। मंदाकिनी के करियर की बात करें, तो लोग आज भी उन्हें उनकी चर्चित फिल्म राम तेरी गंगा मैली के लिए याद करते हैं।

गर्भावस्था में महिला का चेहरा पहले से ज्यादा होता है साफ

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। गर्भावस्था के नौ महीनों में महिला के शरीर के अंदर कई बदलाव होते हैं। इन बदलावों का असर सिर्फ सेहत पर ही नहीं, बल्कि चेहरे और त्वचा पर भी दिखाई देता है। आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि प्रेग्नेंसी में चेहरे पर अलग ही चमक आ जाती है। यह शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों का असर होता है। हालांकि यह जरूरी नहीं कि हर महिला के चेहरे पर यह चमक दिखाई दे। हर महिला का शरीर अलग होता है और हर किसी का अनुभव भी अलग हो सकता है।

डॉक्टर बताते हैं कि प्रेग्नेंसी ग्लो का मतलब है कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिला का चेहरा पहले से ज्यादा साफ, चमकदार और फ्रेश दिखने लगता है। कई महिलाओं के गाल हल्के गुलाबी दिखाई देते हैं और त्वचा में एक अलग तरह की चमक नजर आती है। यह बदलाव अक्सर प्रेग्नेंसी के चौथे महीने के बाद ज्यादा दिखाई देता है। शुरुआत के महीनों में उल्टी, थकान और कमजोरी रहती है, लेकिन जैसे-जैसे शरीर इस बदलाव का आदी होने लगता है, कई महिलाओं के चेहरे पर प्राकृतिक चमक दिखने लगती है। इस चमक की सबसे बड़ी वजह शरीर में होने वाले हार्मोन के बदलाव हैं। प्रेग्नेंसी के समय शरीर में कुछ हार्मोन पहले से ज्यादा बनने लगते हैं। इन हार्मोन का असर त्वचा पर भी पड़ता है। इससे त्वचा में खून का बहाव बेहतर होता है और चेहरा ज्यादा चमकदार दिखाई दे सकता है। यही कारण है कि कई महिलाओं का चेहरा बिना किसी क्रीम या मेकअप के भी निखरा हुआ लगता है। एक और बड़ी वजह शरीर में बढ़ने वाला खून है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रेग्नेंसी में मां और बच्चे दोनों की जरूरत पूरी करने के लिए शरीर में खून की मात्रा काफी बढ़ जाती है। जब खून तेजी से पूरे शरीर में पहुंचता है, तो चेहरे की छोटी-छोटी नसों तक भी ज्यादा खून पहुंचता है। इससे गालों पर हल्की लालिमा आ जाती है और चेहरा चमकता हुआ दिखाई देता है। यही

- **चमक की सबसे बड़ी वजह शरीर में होने वाले हार्मोन के बदलाव**
- **त्वचा पर साफ दिखाई देता है सही खानपान का असर**

बदलाव लोगों को प्रेग्नेंसी ग्लो के रूप में नजर आता है। प्रेग्नेंसी के दौरान त्वचा में प्राकृतिक तेल भी पहले से ज्यादा बनने लगता है। इससे चेहरा मुलायम और चमकदार दिख सकता है लेकिन हर महिला के लिए यह अच्छा अनुभव नहीं होता। जिनकी त्वचा पहले से तैलीय होती है, उन्हें इस दौरान मुंहासों की परेशानी भी हो सकती है। इसलिए अगर किसी महिला को पिंपल्स हो जाएं, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं है। यह भी प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाला सामान्य बदलाव हो सकता है।

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, वैसे-वैसे महिला के शरीर की त्वचा भी फैलती है। इसके साथ शरीर में खून का बहाव और गर्माहट भी बढ़ जाती है। कई महिलाओं को इस समय सामान्य से ज्यादा गर्मी लगती है। यही कारण है कि चेहरे पर हल्की लालिमा और चमक दिखाई देती है। यह भी प्रेग्नेंसी ग्लो का एक कारण माना जाता है।

इस समय सही खानपान का असर त्वचा पर साफ दिखाई देता है। अगर गर्भवती महिला रोज ताजे फल, हरी सब्जियां, दाल, दूध, दही, अंडा या दूसरे प्रोटीन वाले भोजन खाती है और पर्याप्त पानी पीती है, तो इसका फायदा त्वचा को भी मिलता है। शरीर को जरूरी विटामिन और पोषण मिलने से त्वचा ज्यादा स्वस्थ और चमकदार दिख सकती है।

मां के नाम पेड़ लगाकर भावुक हुईं हुमा कुरैशी

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के प्रति प्यार और सम्मान जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें समझाया कि ताकत हमेशा दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्यार और बिना किसी उम्मीद के दूसरों का साथ देने में होती है। हुमा कुरैशी ने हाल ही में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाया। इस खास पहल के जरिए उन्होंने अपनी मां के प्रति आभार और प्यार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पौधा लगाते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं और बताया कि उनके लिए यह सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं, बल्कि अपनी मां के योगदान को सम्मान देने का एक तरीका है।

इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए हुमा ने लिखा कि मेरी जिंदगी में जिन सबसे मजबूत महिलाओं को मैंने जाना है, उनमें सबसे पहले मेरी मां आती हैं। उन्होंने मुझे सिखाया कि असली ताकत शांत होती है, धैर्य से भरी होती है और हमेशा देने वाली होती है। यही वजह है कि एक पेड़ मां के नाम मेरे दिल के बहुत करीब है।

हुमा ने आगे लिखा कि अपनी मां के नाम एक पेड़

लगाना सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं है, यह वह कृतज्ञता है जो हर मौसम के साथ बढ़ती रहती है। जब धन्यवाद जैसे शब्द भी खत्म हो जाते हैं, तब भी यह पेड़ आपकी भावनाओं को बनाए रखता है। हुमा कुरैशी ने इस अभियान के पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने बताया कि इस मानसून उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

रामायण मेले में आध्यात्मिक आकर्षक का केंद्र बना रहता है उड़िया बाबा आश्रम

भदोही, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के सीतामढ़ी में गंगा तट पर स्थित उड़िया बाबा आश्रम एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है। जहां लवकुश के जन्मोत्सव पर आयोजित होने वाले रामायण मेले के दौरान यह आश्रम श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहता है।

जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर काशी- प्रयाग व विंध्य पर्वत मालाओं के बीच अवस्थित महर्षि बाल्मीकि की तपोभूमि एवं लवकुश जन्म स्थली सीतामढ़ी में प्रति वर्ष भव्य नौ दिवसीय राष्ट्रीय रामायण मेले का आयोजन होता है। मेले के दौरान भारी तादाद में पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है। इस वर्ष 15 से 23 जुलाई के बीच रामायण मेले का आयोजन हो रहा है।

वैसे तो सीता समाहित आश्रम परिसर में भगवान शिव, माता दुर्गा, गंगा माता, हनुमान जी की 108 फीट ऊंची मूर्ति तथा भैरव की प्रतिमाएं स्थापित हैं, लेकिन उड़िया बाबा आश्रम अपनी अलग पहचान के साथ श्रद्धालु भक्तों की आस्था का केंद्रबिंदु बना रहता है। उड़िया बाबा के परमशिष्य स्वामी निश्चलानंद ने बताया कि उड़िया बाबा का जन्म वर्ष 1875 में वर्तमान ओडिशा में हुआ था, जबकि उनका महाप्रयाण 1948 में होने के प्रमाण मिलते हैं।

उन्होंने बताया कि उनका बचपन का वास्तविक नाम श्री नारायण दास बताया जाता है। वे सनातन धर्म, वेदांत और भक्ति के प्रचारक थे तथा उन्होंने भारत के अनेक तीर्थों की पदयात्रा की। उनके शिष्यों ने देश के विभिन्न स्थानों पर उनके नाम से आश्रम स्थापित किए। इन्हीं आश्रमों में सीतामढ़ी परिसर स्थित उड़िया बाबा आश्रम को प्रमुख आश्रमों में गिना जाता है। जिसका जीर्णोद्धार वर्ष 1990 के दशक में होना बताया जाता है। अध्यात्म के क्षेत्र में इस महान तपस्वी संत ने काफी बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया जिसमें अद्वैत वेदांत एवं सनातन धर्म का प्रचार,सरल जीवन, वैराग्य और भक्ति प्रमुख हैं।

हिंदू संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है विचारों की आजादी : जावेद अख्तर

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा के दिग्गज गीतकार, लेखक और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। इन दिनों उनका एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह हिंदू संस्कृति, भारतीय परंपराओं और देश की लोकतांत्रिक सोच की खुलकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता और हर विचार को स्वीकार करने की क्षमता है।

वायरल वीडियो में जावेद अख्तर कहते हैं, हिंदू संस्कृति की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां आपको कुछ भी कहने, कुछ भी सुनने और किसी भी बात पर विश्वास करने की आजादी है। यही सोच इस देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। अगर आप भारत से बाहर निकलें, तो भूमध्यसागर के तट तक आपको ऐसा लोकतंत्र आसानी से देखने को नहीं मिलेगा। इससे पहले भी जावेद अख्तर का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसमें वह संस्कृति और धर्म के बीच का अंतर समझाते नजर आए थे। जावेद अख्तर खुद को नास्तिक मानते हैं। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों पर कहा है कि उनका किसी धर्म में व्यक्तिगत विश्वास नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह भारतीय संस्कृति और त्योहारों से दूर हैं।

वीडियो में उन्होंने कहा कि इंसान सिर्फ वही नहीं होता जो वह खुद को समझता है, बल्कि वह भी होता है जैसा दुनिया उसे देखती है।

आंखों की बीमारियों की अनदेखी से समस्या गंभीर हो सकती है : डॉ. सचिन पाण्डेय

गाजियाबाद, 12 जुलाई (देशबन्धु)। आंखों की बीमारियों की अनदेखी से समस्याएं बढ़ सकती है। इसलिए आंखों में किसी भी तरह की परेशानी होने पर नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। कई लोग बिना डॉक्टर से आंखों की सही जांच कराए ही चश्मा बनवा लेते हैं। गलत पावर का चश्मा बनने से आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और बाद में उसे दोबारा बदलवाना पड़ता है। जिससे समय और पैसे दोनों का नुकसान होता है। एएसजी विजन सेंटर में आंखों की जांच कराने के बाद अपना विजन वर्ल्ड से चश्मा बनवाने पर डॉक्टर की कंसल्टेशन फीस पूरी तरह निःशुल्क की गई है। यह जानकारी एएसजी विजन सेंटर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन पाण्डेय ने दी। उन्होंने बताया कि जांच के उपरांत सेंटर में चश्मा बनवाने पर भी डिस्काउंट उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि अधिकांश मरीज आंखों से संबंधित बीमारी होने पर लापरवाही बरतते है। बाद में समस्या बढ़ जाती है। लोगो को ऑपरेशन और चश्मे की जरूरत पड़ जाती है। इसलिए आंखों के लालपन खुजली आंखों से बार बार पानी आदि समस्याओं की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। एएसजी विजन सेंटर का उद्देश्य केवल चश्मा बनाना नहीं बल्कि हर व्यक्ति को सही पावर उचित सलाह और बेहतर दृष्टि प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि समय समय पर आंखों की निःशुल्क जांच के लिए दीपक विहार स्थित अस्पताल में जांच शिविर लगाया जाता है।

सिर्फ धरती नहीं, अंतरिक्ष तक पहुंचे केसरबाई केरकर के सुर

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कुछ आवाजें वक्त के साथ नहीं मिटतीं बल्कि इतिहास बन जाती हैं। केसरबाई केरकर ऐसी ही एक महान शास्त्रीय गायिका थीं, जिनके सुरों की गूंज धरती से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंची। उनकी गायकी में ऐसी गहराई और मिठास थी कि सुनने वाला मंत्रमुग्ध हो जाता था। केसरबाई केरकर का जन्म 13 जुलाई 1892 को गोवा के केरी गांव में हुआ था। उस समय गोवा पुर्तगालियों के शासन में था। बचपन से ही उनका झुकाव संगीत की ओर था। महज आठ साल की उम्र में उन्होंने संगीत सीखना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में शुरू हुई यह साधना आगे चलकर उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत की महान हस्तियों में शामिल कर गई।

संगीत सीखने के लिए केसरबाई ने कई बड़े उस्तादों से शिक्षा ली। उन्होंने कोल्हापुर जाकर संगीत की बारीकियां सीखीं। इसके बाद साल 1921 में वह जयपुर-अतरौली घराने के प्रसिद्ध उस्ताद अल्लादिया खान की शिष्या बनीं। करीब 11 साल तक उन्होंने उनके मार्गदर्शन में कठिन रियाज किया। यही मेहनत आगे चलकर उनकी गायकी की सबसे बड़ी ताकत बनी।

केसरबाई की आवाज में एक अलग ही असर था। वह कोई भी राग सिर्फ गाने के लिए नहीं गाती थीं बल्कि उसे पूरी तरह समझकर और महसूस करके पेश करती थीं। जब वह मंच पर आती थीं तो पूरा माहौल शांत हो जाता था। श्रोता उनकी आवाज में खो जाते थे। उनकी गायकी में सुरों की शुद्धता, भावनाओं की गहराई और रागों की खूबसूरती साफ दिखाई देती थी।

उनकी पहचान को सबसे बड़ी ऊंचाई मिली उनके मशहूर गीत जात कहां हो से। राग भैरवी पर आधारित यह प्रस्तुति इतनी खास थी कि इसकी गूंज पूरी दुनिया तक पहुंच गई। साल 1977 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने वॉयजर मिशन के साथ एक खास रिकॉर्ड अंतरिक्ष में भेजा था, जिसे गोल्डन रिकॉर्ड कहा गया। इस रिकॉर्ड में दुनिया की अलग-अलग संस्कृतियों और सभ्यताओं की झलक दिखाने वाले संगीत और संदेश शामिल थे। इसमें केसरबाई केरकर की आवाज में रिकॉर्ड किया गया जात कहां हो भी शामिल था।

केसरबाई की कला को भारत ने भी खूब सम्मान दिया। उन्हें साल 1953 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद 1969 में भारत सरकार ने उन्हें देश के प्रतिष्ठित सम्मान पद्म भूषण से नवाजा। महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर भी उनकी गायकी से प्रभावित थे। उन्होंने केसरबाई को सुरश्री की उपाधि दी, जिसका अर्थ है सुरों की रानी।

16 सितम्बर 1977 को केसरबाई केरकर ने दुनिया को अलविदा कह दिया लेकिन उनकी आवाज और संगीत की विरासत आज भी जिंदा है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में उनका नाम हमेशा सम्मान के साथ लिया जाएगा।

प्रकृति का अद्भुत चमत्कार

अंबा नदी में मिली विदेशी और दुर्लभ 'एल्बिनो एलीगेटर गार' मछली

रायगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में सुधागढ़ तालुका के वाव्हे गांव के पास अंबा नदी में एक दुर्लभ और अनोखी 'एलीगेटर गार' मछली मरी हुई मिली है। मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका में पाई जाने वाली यह विदेशी मछली अपने चमकीले पीले-नारंगी रंग के कारण स्थानीय लोगों और वन्यजीव प्रेमियों के बीच कौतूहल का विषय बन गयी है। इस मछली को स्थानीय निवासी कैलाश हिलम और केतन म्हास्के ने तब देखा जब वे नदी के किनारे घूम रहे थे।

आमतौर पर एलीगेटर गार मछली गहरे भूरे या सलेटी रंग की होती है लेकिन इसके अनोखे रंग ने तुरंत सबका ध्यान खींच लिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका यह अलग रंग 'एल्बिनेज्म' (रंगहीनता) नाम की

एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति के कारण है, जिसमें शरीर में प्राकृतिक रंग बनाने वाले तत्वों की कमी हो जाती है।

एलीगेटर गार मीठे पानी में रहने वाली एक बड़ी शिकारी मछली है, जो उत्तरी अमेरिका की नदियों और झीलों में मिलती है। इसका मुंह और नुकीले दांत मगरमच्छ (एलीगेटर) जैसे दिखते हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा है। यह प्रजाति भारत में नहीं पाई जाती है।

एलीगेटर गार मीठे पानी में रहने वाली एक बड़ी शिकारी मछली

यही वजह है कि अंबा नदी में इसके मिलने से यह सवाल उठ रहे हैं कि यह विदेशी मछली यहां कैसे पहुंची। विशेषज्ञों को शक है कि किसी ने इसे अपने एक्वेरियम या घर में पाला होगा और जब यह बहुत बड़ी हो गई होगी तो इसे नदी में छोड़ दिया गया। पिछले कुछ सालों में पर्यावरणविदों ने एक्वेरियम की विदेशी मछलियों को नदियों या झीलों में छोड़ने की आदत पर गहरी चिंता जतायी है। ये बाहरी प्रजातियां कई बार प्राकृतिक वातावरण में ढलकर अपनी संख्या बढ़ा लेती हैं, जिससे स्थानीय मछलियों और पानी के पूरे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचता है। इस मछली के मिलने की खबर से इलाके में काफी चर्चा है और इस रंग-बिरंगे जीव को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ जुट रही है। बताया जा रहा है कि रायगढ़ जिले में इस साल किसी दुर्लभ सफेद (एल्बिनो) वन्यजीव के दिखने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले, भारी बारिश के दौरान मानगांव शहर से एक दुर्लभ सफेद रंग का बिना जहर वाला सांप भी पकड़ा गया था। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, यह घटना बताती है कि लोगों को जागरूक करने की जरूरत है ताकि वे विदेशी पालतू जीवों और मछलियों को इस तरह खुले पर्यावरण में न छोड़ें।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इटरनल	0.89 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.49 प्रतिशत
सनफार्मा	0.19 प्रतिशत
ट्रेंट	0.04 प्रतिशत
आईटीसी	0.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,950
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,26,108
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.55	93.48
पौड स्टर्लिंग	129.93	125.33
यूरो	110.71	106.56
चीन युआन	14.96	13.24

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत-यूके एफटीए नए अवसरों का द्वार : गोयल

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच लागू होने जा रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय निर्यात, सेवा क्षेत्र और विदेश में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को व्यापक लाभ मिलेगा। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में पीयूष गोयल

■ भारतीय पेशेवरों को मिलेगा बड़ा लाभ

ने कहा कि 15 जुलाई से भारत से यूके भेजे जाने वाले अधिकांश सामानों पर शून्य आयात शुल्क (जीरो इम्पोर्ट ड्यूटी) लागू होगा, जिससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, 'भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते ने व्यापार और निवेश के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजार में बेहतर अवसर मिलेंगे और देश के निर्यात को नई गति मिलेगी।

उन्होंने विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में कार्यरत भारतीय युवाओं के लिए हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक यूके में दो से पांच वर्ष तक काम करने

भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजार में बेहतर अवसर मिलेंगे व देश के निर्यात को नई गति मिलेगी : पीयूष गोयल

वाले भारतीय पेशेवरों की आय का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा वहां की सोशल सिक्योरिटी प्रणाली के तहत कट जाता था, जबकि उन्हें उसका प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिल पाता था।

गोयल ने बताया कि भारत और यूके के बीच 'डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट' भी अंतिम रूप ले चुका है, जो 15 जुलाई से प्रभावी होगा। इसके तहत पांच वर्ष तक यूके में कार्य करने वाले भारतीय कर्मचारियों को वहां सोशल सिक्योरिटी योगदान नहीं देना पड़ेगा। इसके बजाय यह राशि भारत में उनके प्रोविडेंट फंड (पीएफ) खाते में जमा होगी, जहां उस पर 8.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। यह राशि कर-मुक्त रहेगी और भविष्य में कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगी। 'इससे पहले मंत्री ने मुंबई में बंट समुदाय द्वारा स्थापित शशिकिरण शेट्टी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के एक कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने बंट समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि समाज के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संस्थान में अध्ययन करने वाले लगभग 3,000 विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा मिलेगी और वे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तीन यूरोपीय देशों की यात्रा पर जाएंगे पीयूष गोयल, व्यापार प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 13 से 17 जुलाई तक स्पेन, बेल्जियम और फ़िनलैंड के दौरे पर जाने वाले एक उच्च-स्तरीय भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह दौरा यूरोप में आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करने के भारत के संकल्प को दिखाता है, जिसमें व्यापार, निवेश, तकनीक, नवाचार और सतत विकास पर ध्यान दिया जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रत्न और आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य देखभाल और डिज़ाइन जैसे क्षेत्रों की प्रमुख भारतीय कंपनियाँ शामिल हैं। श्री गोयल स्पेन में 13 जुलाई को 'चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ऑफ़ स्पेन', और 'आईसीईएक्स स्पेन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट' के साथ एक व्यापारिक बातचीत में हिस्सा लेंगे। इस सेशन में स्पेन और भारत के उद्योग जगत के दिग्गज ऑटोमोटिव, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा करेंगे। इबेरड्रोला, एक्शियोना, सीएएफ, टैल्गो, गेस्टैम्प और इंद्रा जैसी स्पेनिश कंपनियाँ पहले से ही भारत में मौजूद हैं, जबकि टीसीएस, इंफ़ोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा और एलएंडटी जैसी भारतीय कंपनियाँ डिजिटलाइज़ेशन और उद्योग 4.0 को बढ़ावा देने के लिए स्पेन में अपना कामकाज बढ़ा रही हैं। यह दौरा 'स्पेन-इंडिया डुअल ईयर 2026' के दौरान हो रहा है।

भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात जून में 34 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात जून में 34 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब यूरो रहा है। आयात में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हुई है, जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई। यह जानकारी सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की ओर से जारी रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की ओर से जून में रूस से 4.5 अरब यूरो का कच्चा तेल आयात किया है। इसमें मई के मुकाबले 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून में भारत के कुल रूसी जीवाश्म ईंधन आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 83 प्रतिशत थी, जिसकी कीमत 5.5 अरब यूरो थी। इस तरह भारत, चीन के बाद रूसी हाइड्रोकार्बन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया।

खरीद में यह बढ़ोतरी भारत के कुल कच्चे तेल के

■ चीन के बाद रूसी हाइड्रोकार्बन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया भारत

आयात में मासिक आधार पर 5.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हुई, जिसमें कई बड़ी रिफाइनरियों को रूसी आपूर्ति में भारी बढ़ोतरी देखी गई। सीआरईए के अनुसार, जामनगर रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का आयात पिछले महीने के मुकाबले 150 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पारादीप रिफाइनरी में 126 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की कोच्चि रिफाइनरी ने आयात में 83 प्रतिशत की वृद्धि की।

तमिलनाडु के नमक्कल में सूखे का संकट

नमक्कल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कुमारपालयम इलाके में पानी की भारी किल्लत हो गई है। मॉनसून की बारिश में देरी और मेट्टूर बांध से पानी न छोड़े जाने की वजह से इस इलाके में गंभीर संकट पैदा हो गया है। किसानों को अपनी फसलें बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कुमारपालयम, पल्लीपालयम और वेप्पाडाई में सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाली 20 से ज्यादा झीलें पूरी तरह सूख गई हैं, जिससे हजारों एकड़ खेती की जमीन की सिंचाई के लिए संकट हो गया है।

बारिश न होने और इलाके में नहर का पानी न पहुंचने के कारण खेती-बाड़ी का

झीलें सूखने से किसानों को फसल के नुकसान का डर

काम लगभग ठप हो गया है, जिससे बड़े पैमाने पर फसल बर्बाद होने और भारी आर्थिक नुकसान का डर पैदा हो गया है।

खेती ही यहां के अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और धान, हल्दी, केला और गन्ना मुख्य फसलें हैं। कई किसानों ने सिंचाई का मौसम सामान्य रहने की उम्मीद में बीज, पौधे व खाद खरीदने में भारी निवेश किया था।

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की दिशा

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। अगले सप्ताह कई दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भेल, टेक महिंद्रा, विप्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के पहली तिमाही के परिणाम 13 जुलाई से 18 जुलाई के बीच जारी किये जायेंगे। इन कंपनियों के परिणामों का सीधा असर उनके शेयरों और

पूरे बाजार पर दिखेगा।

वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया संकट की स्थिति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। साथ ही कच्चे तेल में जारी उतार-चढ़ाव का असर भी बाजार पर दिखेगा। गत सप्ताह प्रमुख सूचकांक मंगलवार और बुधवार को लाल निशान में रहे, विशेषकर बुधवार को दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। बीएसई का संसेक्स

■ सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत गिरकर सप्ताहांत पर 77,569.39 अंक पर रहा
■ निफ्टी 0.26 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में 24,206.90 अंक पर बंद

सप्ताह के दौरान 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) गिरकर शुक्रवार को 77,569.39 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 63.95 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में 24,206.90 अंक पर रहा। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में तेजी रही।

सार संक्षेप

एफपीआई ने जुलाई में किया 25,531 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में जुलाई में अबतक 25,531 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगाई गई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल हैं। इससे पहले जून में उन्होंने 4,699 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। एफपीआई ने 01 जुलाई से 10 जुलाई तक इक्विटी में 15,157 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। डेट, हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे हैं। डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 8,569 करोड़ रुपए रहा। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 52 करोड़ रुपए और म्यूचुअल फंड में 883 करोड़ रुपए का निवेश किया।

डॉ. मनसुख मांडविया कल स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम और रोजगार डॉ. मनसुख मांडविया 14 जुलाई 2026 को तेलंगाना के सनथनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल से देशभर में सात कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि केंद्रीय मंत्री सनथनगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल के नए ओपीडी ब्लॉक का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे और छह परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जिसमें असम के बेल्टोला में उन्नत 200 बिस्तरों वाला ईएसआईसी अस्पताल, तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बुदुर में 100 बिस्तरों वाला ईएसआईसी अस्पताल, आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम में ईएसआईसी अस्पताल, गुजरात के सुरेंद्रनगर में ईएसआई औषधालय और शाखा कार्यालय, कोटा के उद्योग नगर में ईएसआई औषधालय और शाखा कार्यालय और राजस्थान के भवानी मंडी में ईएसआई औषधालय शामिल हैं।

त्रिपुरा में विकास की अपार संभावना, लाभ उठाएं निवेशक : सिंधिया

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के आशाजनक निवेश स्थलों में से एक बताते हुए कहा कि निवेशकों का इस अवसर का लाभ उठाकर राज्य में निवेश करना चाहिए। श्री सिंधिया ने 'डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव-2026' को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से त्रिपुरा की उल्लेखनीय विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के विकास के ऐसे प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहा है, जो 'विकसित भारत' के निर्माण की यात्रा में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

पश्चिमी रेलवे ने अहमदाबाद डिवीजन में 8 लाख से अधिक पौधे लगाने का रखा लक्ष्य

अहमदाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी रेलवे के अहमदाबाद डिवीजन ने रविवार को गुजरात में 10 रेलवे स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य गुजरात सरकार के राज्यव्यापी 'मेगा वृक्षारोपण' अभियान के तहत 8 लाख से अधिक पौधे लगाना है।

'वन कवच योजना' के तहत पहले चरण में सानंद में 2 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) वेद प्रकाश के अनुसार, यह वृक्षारोपण अभियान राज्य सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और रेलवे भूमि पर हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सानंद यार्ड और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) लाइन के बीच रेलवे की 1.20 लाख वर्ग मीटर भूमि पर कुल चार लाख पौधे लगाने की योजना है। वन कवच योजना के तहत सानंद में उपलब्ध रेलवे भूमि पर दो लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। शेष पौधों को बाद के चरणों में लगाया जाएगा।

पौधारोपण अभियान अहमदाबाद डिवीजन

के अंतर्गत आने वाले 10 प्रमुख स्थानों पर चलाया जा रहा है, जिनमें अंबली रोड-गोरघुमा, चारोदी-जाखवाड़ा, अंबली रोड-चांदलोडिया, गोरघुमा-सानंद, जाखवाड़ा रेलवे स्टेशन, सानंद-चारोदी, सानंद यार्ड-डीएफसी लाइन और साबरमती और चांदलोडिया के बीच स्थित दो स्थान शामिल हैं।

सानंद परियोजना के अलावा, साबरमती में भी वृक्षारोपण किया गया है, जहां 8,400 वर्ग मीटर क्षेत्र में 9,000 पौधे लगाए गए हैं, और अंबली रोड पर 2,200 वर्ग मीटर क्षेत्र में 1,020

■ 'वन कवच योजना' के तहत पहले चरण में सानंद में लगाए जा चुके 2 लाख से अधिक पौधे

पौधे लगाए गए हैं। रेलवे प्रशासन और गुजरात वन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। कार्यक्रम में डीआरएम वेद प्रकाश, डॉ. मीनल जानी, सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) रुचि दवे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने कहा कि इस संयुक्त पहल से हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय पारिस्थितिक संरक्षण को मजबूत करने और सतत विकास लक्ष्यों को समर्थन देने में मदद मिलेगी। इस अभियान में विभिन्न प्रकार के पौधे शामिल हैं, जिनमें 75,000 फाउंटेन ग्रास, 51,000 बोगनविलिया, 18,000 बांस, 14,000 टेकोमा, 12,000 पलाश, 6,000 नागौद और स्थानीय मेहंदी, और 4,000 करंज, पारिजात, कचनार और अमलतास के पौधे, साथ ही 2,000 स्थानीय बबूल के पौधे शामिल हैं।

'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' से छोटे कारोबारियों को मिलेगी ताकत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ 'सीएआईटी' (कैट) ने केंद्र सरकार द्वारा 14 जुलाई को 'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' लॉन्च करने के फैसले का स्वागत किया है। कैट का कहना है कि यह पहल छोटे व्यापारियों, खुदरा कारोबारियों, एमएसएमई और उद्यमियों को मजबूत बनाएगी तथा भारत की आर्थिक विकास यात्रा को नई गति देगी।

कैट ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आर्थिक शासन को अधिक आधुनिक, गतिशील और डेटा आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम बताया। यह हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति का लगभग वास्तविक समय में आकलन करेगा। इसके लिए जीएसटी संग्रह, यूपीआई लेनदेन, ई-वे बिल, माल ढुलाई, बिजली खपत, बैंकिंग गतिविधियां, डिजिटल कॉमर्स और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे सरकार को तेजी और

■ अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

अधिक सटीकता के साथ नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही उभरती आर्थिक चुनौतियों की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे।

कैट के महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया, जीएसटी, यूपीआई और तकनीक आधारित सुशासन जैसी पहलों के जरिए आर्थिक पारदर्शिता और दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। 'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' इस परिवर्तनकारी यात्रा का अगला महत्वपूर्ण अध्याय है, जो भारत को दुनिया की सबसे उन्नत और डेटा आधारित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।

चावल नरम, गेहूं, चीनी में साप्ताहिक तेजी, दालों व खाद्य तेलों में घटबढ़

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव घट गया। वहीं, गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 33 रुपए गिरकर सप्ताहांत पर 3,884 रुपए प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं दो रुपए महंगा हुआ और 2,800 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बोला गया। आटे का भाव 15 रुपए चढ़कर 3,273 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 44 रुपए और तुअर दाल की 39 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल भी तीन रुपए महंगी हुई। वहीं, चना दाल की कीमत पांच रुपए और मूंग दाल की छह रुपए प्रति क्विंटल टूट गई। खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव रहा। मूंगफली तेल की औसत कीमत 213 रुपए और सूरजमुखी तेल की 26 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। वहीं, सरसों तेल 68 रुपए और सोया तेल 50 रुपए फिसल गया। पाम ऑयल 46 रुपए और वनस्पति 34 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 39 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 41 रुपए महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे

: दाल-दलहन : दाल चना 7794.81 रुपए, मसूर काली 8192.29 रुपए, मूंग दाल 10156.88 रुपए, उड़द दाल 11009.43 रुपए, तुअर दाल 11320.84 रुपए प्रति क्विंटल रही। **अनाज :** (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2811.26 रुपए और चावल 3966.17 रुपए प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3255.42 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

टोकनयुक्त शेयर क्यों हैं क्रिप्टो की कहानी-और भारत को इस दिशा में क्या करना चाहिए

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया भर में शेयर खरीदने और बेचने का तरीका बदल रहा है। इस बदलाव की अगुवाई अब पारंपरिक शेयर बाजार नहीं, बल्कि क्रिप्टो मंच कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में रॉबिनहुड, क्रैकेन और बायबिट जैसे मंचों ने अमेरिका के बाहर के निवेशकों के लिए टोकनयुक्त अमेरिकी शेयर उपलब्ध कराने शुरू किए हैं।

टोकनयुक्त शेयर किसी सूचीबद्ध कंपनी के वास्तविक शेयर का डिजिटल स्वरूप होता है, जिसे ब्लॉकचेन पर एक टोकन के रूप में जारी किया जाता है। इसकी कीमत एप्पल, टेस्ला जैसी कंपनियों के वास्तविक शेयरों के बराबर होती है। प्रत्येक टोकन के बदले वास्तविक शेयर एक अधिकृत संरक्षक संस्था के पास सुरक्षित रखा जाता है। टोकन रखने वाले निवेशक को लाभांश सहित वही अधिकार मिलते हैं, जो सीधे शेयर रखने वाले निवेशक को प्राप्त होते हैं। फर्क केवल इतना है कि

इनका संचालन पारंपरिक बैंकों की बंद प्रणालियों के बजाय सोलाना, एथेरियम और आर्बिट्रम जैसे खुले ब्लॉकचेन नेटवर्क पर होता है। यही एक फैसला इस पूरे मॉडल को कारगर बनाता है। खुले ब्लॉकचेन मौजूदा शेयर बाजार की कई सीमाओं को समाप्त कर देते हैं। अब बाजार केवल एक्सचेंज के निर्धारित समय तक सीमित नहीं रहते और लेनदेन के निपटान के लिए अगले कारोबारी दिन तक प्रतीक्षा करने की आवश्यकता भी नहीं होती। निवेशक कुछ रुपये में भी किसी महंगे शेयर का छोटा हिस्सा खरीद सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टोकनयुक्त शेयर प्रोग्राम योग्य वित्तीय परिसंपत्ति बन जाते हैं। उदाहरण के लिए, सोलाना पर मौजूद एप्पल के टोकन को गिरवी रखा जा सकता है, उसे किसी स्थिर मुद्रा से बदला जा सकता है या कुछ ही क्षणों में दूसरे देश भेजा जा सकता है। स्थिर मुद्रा ऐसी डिजिटल मुद्रा होती है, जिसका मूल्य अमेरिकी डॉलर जैसी किसी पारंपरिक मुद्रा से जुड़ा होता है। पारंपरिक शेयर बाजार इस स्तर की सुविधा और लचीलापन उपलब्ध नहीं कराता। स्टेबलकॉइन भुगतान प्रक्रिया को समान रूप से कुशल बनाते हैं।यही कारण है कि मुंबई, सिंगापुर या दुबई का कोई निवेशक अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के लिए लंबी और जटिल अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यवस्था पर निर्भर हुए बिना स्थिर मुद्रा के माध्यम से अमेरिकी टोकनयुक्त शेयर खरीद सकता है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09040

हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

ज्वेरेव को हराकर जीता पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब

सिनर लगातार दूसरी बार बने विंबलडन चैंपियन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनल में सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर अपने करियर का पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ सिनर ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 10वीं जीत दर्ज की। साथ ही वह प्रोफेशनल दौर में विंबलडन पुरुष एकल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले 10वें खिलाड़ी बन गए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने मौजूदा दौर के सबसे सफल खिलाड़ियों में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। वहीं, अब वह सात ग्रैंड स्लैम जीत चुके अपने प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्कारेज के और करीब पहुंच गए हैं।पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और फैसला टाईब्रेक में हुआ।

सिनर ने चौथे सेट में बनाई बढ़त

चौथे सेट में भी सिनर ने ज्वेरेव की सर्विस तोड़ते हुए 4-3 की बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने कोई मौका नहीं गंवाया और शानदार खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। जीत सुनिश्चित होते ही 24 वर्षीय सिनर खुशी से कोर्ट की घास पर गिर पड़े और अपने लगातार दूसरे विंबलडन खिताब का जश्न मनाया।

हान्यू-क्रिस्टीना की जोड़ी बनीं महिला युगल चैंपियन

चीन की गुओ हान्यू और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविक की जोड़ी ने रविवार को विंबलडन 2026 महिला युगल का खिताब अपने नाम कर लिया। दसवीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और ब्राजील की लुइसा स्टेफनी को 6-3, 7-5 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दोनों खिलाड़ियों की जोड़ी के रूप में यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। फाइनल मुकाबले में गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दोनों ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली। हालांकि डाब्रोव्स्की और स्टेफनी ने लगातार तीन गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वे सेट नहीं बचा सकीं और 6-3 से हार गईं। यह जीत दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद खास रही।

वैभव ने देखा फाइनल

भारतीय क्रिकेट के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए रविवार का दिन बेहद यादगार बन गया। वैभव ने ऑल इंग्लैंड क्लब पहुंचकर विंबलडन का अनुभव लिया। वैभव के साथ भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन विंबलडन का मेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबला देखने सेंटर कोर्ट पहुंचे थे।

आनंद सिंह ने करियर के बेस्ट थ्रो से जीता गोल्ड

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारत के आनंद सिंह ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। चीन के ओरडोस में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने 80.57 मीटर का करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार 80 मीटर का आंकड़ा भी पार किया। 22 वर्षीय आनंद सिंह ने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 80.57 मीटर का पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। उन्होंने अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 2.89 मीटर का सुधार करते हुए 80 मीटर की दूरी पार की। उत्तर प्रदेश के आनंद सिंह ने इस चैंपियनशिप में 77.68 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने यह प्रदर्शन 28 जून को भुवनेश्वर में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किया था। वह थ्रो प्रतियोगिता के छठे और अंतिम राउंड में आया था। उस प्रतियोगिता में वह रोहित यादव, यशवीर सिंह और सचिन यादव के बाद चौथे स्थान पर रहे थे।

पहली बार 80.57 मी. दूर फेंका भाला

शानदार रहा प्रदर्शन

इस साल की शुरुआत में पटियाला में आयोजित इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में भी आनंद सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 76.94 मीटर का थ्रो कर दूसरा स्थान हासिल किया था। इससे पहले एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने 9 से 12 जुलाई तक ओरडोस में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 54 सदस्यीय भारतीय ट्रैक एंड फील्ड टीम का चयन किया था।

फीफा वर्ल्ड कप: सेमीफाइनल की टीमें तय, 15 को स्पेन-फ्रांस की टक्कर

अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए सेमीफाइनल की टीमें तय हो गई हैं। क्वार्टर फाइनल नंबर-4 में 12 जुलाई को अर्जेंटीना का सामना स्विट्जरलैंड से हुआ। कैनसिटी सिटी के कैनसस सिटी स्टेडियम में आयोजित इस मुकाबले में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। अब 16 जुलाई को सेमीफाइनल में अर्जेंटीना की टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी। वहीं पहले सेमीफाइनल में 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस की टक्कर होनी है।

अर्जेंटीना-स्विट्जरलैंड के बीच मुकाबला निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर रहा, जिसके चलते एक्स्ट्राइम का यूज करना पड़ा। एक्स्ट्राटाइम के दूसरे हाफ में जूलियन अल्वारेज ने जोश लोपेज के पास पर गोल दागकर अर्जेंटीना को 2-1 से लीड दिलाई।

अल्वारेज ने ये गोल 112वें मिनट में किया था। फिर इंजरी टाइम (120+1वें मिनट) में लौटारो मार्टिनेज ने गोल दाग स्कोर 3-1 कर दिया। लौटारो मार्टिनेज सब्स्टीट्यूट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतरे थे। इस मुकाबले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने तो कोई गोल नहीं किया, लेकिन खेल के 10वें मिनट में उन्होंने एलेक्सिस मैक एलिस्टर को गोल दागने में जरूर असिस्ट किया। मुकाबले में अर्जेंटीना ने शानदार शुरुआत की। खेल के 10वें मिनट में ही उसने पहला गोल कर दिया, जो मौजूदा वर्ल्ड कप में इस टीम का सबसे तेज गोल रहा। मेसी ने कॉर्नर किक लेते हुए गेंद को एलिस मैक एलिस्टर के पास भेजा, जिन्होंने हेडर पर शानदार गोल दागा। गोलकीपर ग्रेग कोबले के पास सेव करने का कोई मौका नहीं था। इस गोल के बाद स्विट्जरलैंड की टीम बैकफुट पर आ गई। हाफटाइम तक अर्जेंटीना 1-0 से आगे रहा। एक्स्ट्रा टाइम में अर्जेंटीना ने जीत दर्ज की।

बेलिंगहैम के डबल से इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 से हराया

जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने रविवार के पहले मुकाबले में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराया। इंग्लैंड 2018 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के अंतिम-4 में पहुंचा है। मियामी स्टेडियम में खेला गया मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने टीम के दोनों गोल किए। विजयी गोल एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में हराया। जूड बेलिंगहम ने मैच में 2 गोल किए। उनके फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 6 गोल हो गए हैं। इंग्लिश कैप्टन हैरी केन ने भी 6 गोल किए हैं।

सेमीफाइनल राउंडअप

पहला सेमीफाइनल
फ्रांस बनाम स्पेन
15 जुलाई रात 12:30 बजे

दूसरा सेमीफाइनल
अर्जेंटीना बनाम इंग्लैंड
16 जुलाई रात 12:30 बजे

भारतीय महिला टीम लॉर्ड्स में इतिहास रचने से 4 विकेट दूर

यास्तिका लॉर्ड्स में टेस्ट शतक जड़ने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं

● लंदन / (एजेंसी)

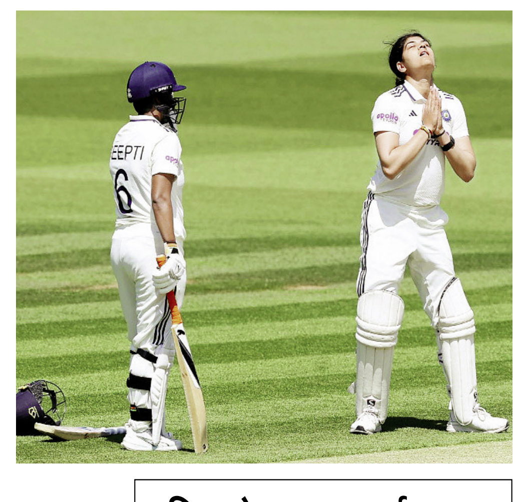

लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपनी पहली ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज करने के से मात्र चार विकेट दूर है। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम ने खेल के हर विभाग में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। स्टार बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के रिकॉर्डतोड़ पहले टेस्ट शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 457 रनों का मुश्किल लक्ष्य दिया।

इसके जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड का स्कोर 130 रन पर 6 विकेट कर दिया है। अब क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले मैदान पर इतिहास रचने से हरमनप्रीत कौर की सेना महज 4 विकेट दूर है। तीसरे दिन भारत ने अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में अच्छी गेंदबाजी की। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने अच्छी बल्लेबाजी कर रही स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को जल्दी आउट कर भारत को झटके दिए। इसके बाद सोफी एक्लेस्टोन ने कप्तान हरमनप्रीत कौर को एलबीडब्ल्यू आउट कर इंग्लैंड की मैच में वापसी कराने की कोशिश की।

रिचा ने लगाया अर्धशतक

विकेटकीपर-बल्लेबाज रिचा घोष ने मैदान पर आते ही रनों की गति को तेज कर दिया। रिचा ने इंग्लिश गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोलते हुए महज 52 गेंदों पर 50 रनों की नाबाद पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दूसरी पारी 341/7 के स्कोर पर घोषित कर दी और इंग्लैंड के सामने 457 रनों का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। क्रांति गौड़ और सायली सतघरे ने शुरुआती 4 ओवरों के भीतर ही इंग्लैंड की दोनों ओपनर्स, टैमी ब्यूमोंट और माया बुशियर को आउट किया। आखिरी टेस्ट खेल रही पूर्व कप्तान हीथर नाइट को क्रांति गौड़ ने शिकार बनाया।

एमी जोन्स ने खेली जुझारू पारी

जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम तीसरे दिन की शाम को ही मैच खत्म कर देगी, तभी एमी जोन्स और मैडी विलियर्स ने मोर्चा संभाल लिया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 67 रनों की बेहद जुझारू और संघर्षपूर्ण साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों को कुछ समय के लिए तरसाया। इस खतरनाक होती जोड़ी को तोड़ने का काम स्नेह राणा और रिचा घोष ने मिलकर किया। स्नेह राणा की गेंद पर सिली पॉइंट पर मुस्तैद रिचा घोष ने एक बेहद ही शानदार और हैरतअंगेज कैच पकड़कर मैडी विलियर्स को पवेलियन का रास्ता दिखाया। हालांकि, दूसरे छोर पर एमी जोन्स डटी रहीं और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 130 रनों पर अपने 6 विकेट गंवा दिए हैं और उसे जीत के लिए अब भी 327 रनों की दरकार है, जबकि भारत इतिहास रचने से सिर्फ 4 विकेट दूर है।

मेघा और नेहा की जोड़ी सी2 200 मी. स्पर्धा के फाइनल में

आईसीएफ कैनो स्प्रिंट व पैरा कैनो विश्व कप स्पर्धा

● मॉन्ट्रियल / (एजेंसी)

मॉन्ट्रियल (कनाडा), आरएनएन। कनाडा के मॉन्ट्रियल स्थित विश्व प्रसिद्ध पार्क जीन-ड्रापो में 9 से 12 जुलाई तक आयोजित आईसीएफ कैनो स्प्रिंट एवं पैरा कैनो विश्व कप-3 में भारतीय टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। विश्व कप में 64 देशों के शीर्ष खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां ओलंपिक कैनो स्प्रिंट एवं पैरा कैनो स्पर्धाओं में विश्व स्तरीय मुकाबले देखने को मिले।

भारत की ओर से सबसे बड़ी उपलब्धि मेघा प्रदीप और एल. नेहा देवी की जोड़ी ने हासिल की। दोनों खिलाड़ियों ने महिला सी2 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया।

64 देशों के बीच भारतीय खिलाड़ियों ने जमाई अपनी धाक

यह पहली बार है जब भारत ने आईसीएफ कैनो स्प्रिंट विश्व कप में इस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। भारतीय खिलाड़ियों ने के4 सहित अन्य कैनो स्प्रिंट स्पर्धाओं में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए विश्व की शीर्ष टीमों को कड़ी चुनौती दी। भारतीय खेल जगत ने इस उपलब्धि का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पूरे सहयोगी दल को बधाई दी है तथा फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

प्रिंस-बिश्नोई की एंट्री, वरुण व राणा बाहर

इंग्लैंड वनडे और जिम्बाब्वे टी20 सीरीज के लिए टीम में बदलाव

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। मेंस सेलेक्शन कमेटी ने रविवार को भारत की वनडे और टी20 टीमों में हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की जगह प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को शामिल किया है। ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के दौरान राणा को अपनी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में अचानक तकलीफ महसूस हुई। बाद में हुए स्कैन से पता चला कि उन्हें ग्रेड 1 हैमस्ट्रिंग चोट लगी है।

इंग्लैंड वनडे के लिए टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

टी20 के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

शाह ने गांगुली और अंजुम को दी बधाई

पीटरसन भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में किए गए हैं शामिल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आईसीसी की ओर से हॉल ऑफ फेम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को शामिल किया गया है। उनके साथ महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन को भी यह सम्मान दिया गया है। एडिनबर्ग में हुए एक शानदार कार्यक्रम में तीनों हस्तियों को सम्मानित किया गया। आईसीसी प्रमुख जय शाह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन को बधाई दी।

यादगार पल: गांगुली

सौरव गांगुली ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में मेरा नाम शामिल होना मेरे सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा।

अंजुम ने जताया आभार

महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, खेल के दिग्गजों के बीच यह सम्मान उन सभी लोगों के लिए एक पुरस्कार है जिन्होंने मेरे करियर को संवारने में मदद की है।

बड़ा सम्मान: पीटरसन

हॉल ऑफ फेम में अपना नाम देख केविन पीटरसन ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बहुत बड़े सम्मान की बात है। महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम देखना बहुत गर्व का अनुभव कराता है।

धन का जुगाड़ शुरुआती कीमत 450 डॉलर यानी करीब 38,500 रुपए रखी गई है

फाइनल की पिच के टुकड़े बेचेगा फीफा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा ने अपनी कमाई बढ़ाने का एक और नया जरिया तलाश लिया है।

फुटबॉल के इस महाकुंभ का प्रसारण दुनिया भर में किया जा रहा है, सेमीफानल की टीमें तय हो चुकी हैं और दर्शकों में रोमांच बरकरार है इसी बीच फीफा ने एक नया फैसला लिया है। दरअसल विश्व कप 2026 का फाइनल 19 जुलाई को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन मुकाबला खत्म होने के बाद भी फीफा इससे कमाई करता रहेगा। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था ने ऐलान किया है कि फाइनल में इस्तेमाल होने वाली असली घास (पिच) के टुकड़े स्मारिका के तौर पर बेचे जाएंगे। इनकी शुरुआती कीमत 450 डॉलर (करीब 38,500 रुपए) रखी गई है। पिच के टुकड़ों को चार अलग-अलग श्रेणी में बिक्री होगी।

करीब 95 करोड़ की हो सकती है कमाई

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बिक्री से फीफा को 1.1 करोड़ डॉलर (करीब 95 करोड़ रुपये) से ज्यादा की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इससे पहले भी फीफा वर्ल्ड कप टिकटों और हॉस्पिटैलिटी पैकेज की ऊंची कीमतों को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुका है। फाइनल के सामान्य टिकट की अधिकतम कीमत 32,970 डॉलर, जबकि हॉस्पिटैलिटी टिकट 34,500 डॉलर तक रखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार फाइनल में इस्तेमाल होने वाली घास अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना स्थित टर्फ फार्म में तैयार की गई है।

वर्ल्ड कप खेलकर घर लौटे फुटबॉलर एडम्स का निधन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका के युवा फुटबॉलर जेडन एडम्स का महज 25 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके अचानक दुनिया को अलविदा कहने से पूरे फुटबॉल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। एडम्स हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में बाफाना बाफाना के लिए खेलने का सपना पूरा कर चुके थे। उनके निधन से प्रशंसक, साथी खिलाड़ी और क्लब गहरे सदमे में हैं।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान उबाल्डो रैटीन भी नहीं रहे

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है।

सनातन धर्म में कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक विशेष महत्व है। यह यात्रा जहां आस्था का केंद्र है, वहीं रहस्यों और रोमांच भी इसे अद्भुत बनाते हैं। चंद मीटर की दूरी पर दोनों प्राकृतिक झीलों में कई असमानताएं विज्ञान के लिए आज भी चुनौती बनी हुई हैं।

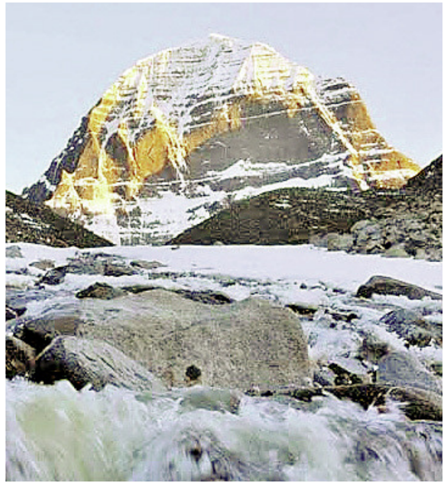

यात्रा का रहस्य

आस्था, विज्ञान का अद्भुत संगम कैलाश मानसरोवर

हिमालय की गोद में स्थित कैलाश-मानसरोवर केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि रहस्यों का जीवंत संसार है। यहां की हर कथा श्रद्धा, रोमांच और जिज्ञासा से भरी है। बाल और नाखून बढ़ने की रहस्यमयी बातें हों या जीवनविहीन झील का रहस्य–यह क्षेत्र आज भी विज्ञान और आस्था के बीच अनसुलझा सेतु बना हुआ है।

कैलाश-मानसरोवर: आस्था का शिखर, रहस्यों का संसार

कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील का नाम सुनते ही मन में एक दिव्य छवि उभरती है। समुद्र तल से हजारों फीट की ऊंचाई पर स्थित यह क्षेत्र न केवल धार्मिक दृष्टि से पवित्र है, बल्कि अपने भीतर कई अनकहे रहस्य भी समेटे हुए है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु कठिन परिस्थितियों को पार कर इस यात्रा पर निकलते हैं। लेकिन इस यात्रा के दौरान कुछ अनुभव ऐसे होते हैं, जो लोगों को चकित कर देते हैं और सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या यह सब केवल संयोग है या किसी गहरे रहस्य का संकेत।

बाल और नाखून बढ़ने का रहस्य: धारणा या हकीकत

यात्रा के दौरान कई तीर्थयात्री यह दावा करते हैं कि उनके बाल और नाखून सामान्य से अधिक तेजी से बढ़ने लगते हैं। पहली नजर में यह एक अलौकिक घटना प्रतीत होती है, लेकिन जब इसे वैज्ञानिक नजरिए से देखा जाए, तो इसके पीछे कुछ व्यावहारिक कारण सामने आते हैं। अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और बदलती जलवायु शरीर के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करती है। इसके अलावा ठंड के कारण त्वचा सिकुड़ जाती है, जिससे नाखून और बाल ज्यादा बढ़े हुए नजर आते हैं। यानी यह रहस्य वास्तव में शरीर की प्रतिक्रिया और हमारी धारणा का मिश्रण है।

राक्षस ताल: मानसरोवर के पास रहस्यमयी झील

मानसरोवर झील के पास ही एक और झील स्थित है, राक्षस ताल। यह झील अपने आप में एक रहस्य है। जहां मानसरोवर को पवित्र और जीवनदायी माना जाता है, वहीं राक्षस ताल को वीरान और रहस्यमयी बताया जाता है। इसका पानी खारा है और इसमें जीवन लगभग नहीं के बराबर है। यह विरोधाभास ही इसे और अधिक आकर्षक और रहस्यमयी बनाता है।

जीवन का अभाव: क्या कहता विज्ञान

राक्षस ताल में मछलियों या अन्य जलीय जीवों का न होना कई सवाल खड़े करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इसका मुख्य कारण पानी की अधिक लवणता और खनिज संरचना है। खारे पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, जिससे जीवों का जीवित रहना कठिन हो जाता है। यही वजह है कि यहां पक्षियों का भी आना बेहद कम देखा जाता है। इस प्रकार, जो रहस्य प्रतीत होता है, वह वास्तव में प्रकृति के कठोर नियमों का परिणाम है।

रहस्य जो आकर्षण बन जाता है

कैलाश-मानसरोवर केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि अनुभवों का महासंगम है। यहां के रहस्य, चाहे वे बाल और नाखून बढ़ने से जुड़े हों या राक्षस ताल की नीरवता से, हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अंततः यह स्थान हमें यह सिखाता है कि हर रहस्य के पीछे या तो विज्ञान छिपा होता है या फिर आस्था और कभी-कभी दोनों का अद्भुत मेल।

आस्था और विज्ञान का संगम

कैलाश-मानसरोवर का क्षेत्र इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे आस्था और विज्ञान साथ-साथ चल सकते हैं। जहां एक ओर श्रद्धालु इसे दिव्य अनुभव मानते हैं, वहीं वैज्ञानिक इसे प्राकृतिक प्रक्रियाओं के रूप में समझाने की कोशिश करते हैं। यही संतुलन इस स्थान को और अधिक अद्भुत बनाता है।

प्रकृति का प्रभाव: शरीर और मन पर गहरा असर

कैलाश क्षेत्र का वातावरण बेहद कठोर है तेज हवाएं, अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी। ऐसी परिस्थितियों में शरीर कई प्रकार के बदलावों से गुजरता है। रक्त संचार की गति, ऊर्जा का उपयोग और शरीर की कार्यप्रणाली बदल जाती है। यही कारण है कि यात्रियों को अपने शरीर में अलग-अलग अनुभव होते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से भी यह यात्रा गहरे प्रभाव छोड़ती है, जिससे साधारण बदलाव भी असाधारण लगने लगते हैं।

धार्मिक मान्यताएं: रावण और तपस्या की कथा

धार्मिक दृष्टिकोण से राक्षस ताल का संबंध रावण से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यहां कठोर तपस्या की थी। इसी कारण इसे राक्षस ताल कहा जाता है। जहां मानसरोवर को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, वहीं राक्षस ताल को नकारात्मक शक्तियों से जोड़ा जाता है। यह विरोधाभास इस क्षेत्र की आध्यात्मिक गहराई को और बढ़ाता है।

■ राममनोहर रायकवार

सांपों की रहस्यमयी दुनिया
कहीं पूरी तरह गायब, तो कहीं हर कदम पर खतरा

प्रकृति का संसार जितना विविध है, उतना ही रहस्यमय भी। सांप भी इसी रहस्यमयी दुनिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

दुनिया में सांपों की लगभग 4,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से करीब 600 विषैली हैं। कहीं ये पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, तो कहीं इंसानों के लिए गंभीर खतरा बन जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पृथ्वी पर कुछ ऐसे द्वीप और देश भी हैं जहां प्राकृतिक रूप से एक भी सांप नहीं पाया जाता, जबकि कुछ स्थान ऐसे हैं जहां सांपों का इतना घनत्व है कि वहां जाना भी जोखिम भरा माना जाता है।

जहां सांपों का नामोनिशान नहीं

दुनिया के कुछ बड़े द्वीप और देश सांपों की अनुपस्थिति के लिए प्रसिद्ध हैं। इनमें आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आइसलैंड प्रमुख हैं। इनके अलावा ग्रीस का अनाफी द्वीप भी पूरी तरह सांप-मुक्त माना जाता है। आयरलैंड में सांपों के न होने को लेकर सेंट पैट्रिक की एक प्रसिद्ध धार्मिक कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार उन्होंने सभी सांपों को द्वीप से बाहर भगा दिया था। हालांकि वैज्ञानिक इस कहानी को मिथक मानते हैं। उनका कहना है कि अंतिम हिमयुग के दौरान आयरलैंड बर्फ से ढका हुआ था। जब बर्फ पिघली और यह द्वीप यूरोप से अलग हुआ, तब तक सांप यहां पहुंच ही नहीं पाए थे। न्यूजीलैंड की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। करोड़ों वर्षों तक यह द्वीप अन्य भू-भागों से अलग-थलग रहा, जिससे सांप यहां प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो सके। वहां की जैव विविधता पक्षियों और विशेष प्रकार के सरीसृपों पर आधारित है। इसी तरह आइसलैंड की अत्यधिक ठंडी जलवायु भी सांपों के जीवित रहने के लिए उपयुक्त नहीं है।

अत्यधिक ठंडी जलवायु भी सांपों के जीवित रहने के लिए उपयुक्त नहीं है

स्नेक आइलैंड: हर कदम पर खतरा

यदि दुनिया में किसी स्थान को सांपों का सबसे खतरनाक ठिकाना कहा जाए तो वह ब्राजील के तट से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित 'इल्हा दा क्यूइमादा ग्रांडे' है, जिसे 'स्नेक आइलैंड' के नाम से जाना जाता है। करीब 43 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले इस छोटे से द्वीप पर अत्यंत विषैले 'गोल्डन लांसहेड पिट वाइपर' पाए जाते हैं। माना जाता है कि हजारों वर्ष पहले समुद्र का स्तर बढ़ने से यह द्वीप मुख्य भूमि से अलग हो गया।

ब्राजील: प्रवेश प्रतिबंधित

भोजन के सीमित स्रोत और अलग-थलग माहौल के कारण यहां के सर्पों ने समय के साथ अत्यधिक विषैला रूप विकसित कर लिया। इनका जहर इतना घातक माना जाता है कि बहुत कम समय में शरीर के ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। मानव सुरक्षा को देखते हुए ब्राजील सरकार ने आम लोगों के लिए इस द्वीप पर प्रवेश प्रतिबंधित कर रखा है। केवल विशेष अनुमति प्राप्त वैज्ञानिक और शोधकर्ता ही यहां जा सकते हैं।

भारत: सांपों की समृद्ध विविधता

भारत सांपों की जैव विविधता के लिहाज से दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल है। यहां लगभग 300 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें लगभग 60 प्रजातियां विषैली हैं। भारत में सबसे अधिक मानव मौतों के लिए जिम्मेदार चार प्रमुख विषैले सांपों को 'बिग फोर' कहा जाता है। इनमें भारतीय कोबरा, कॉमन क्रेट, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों, झाड़ियों और घरों के आसपास इनका सामना होने की संभावना अधिक रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु सांप के डसने से होती है। इसका एक प्रमुख कारण समय पर उपचार और एंटी-वेनम की उपलब्धता का अभाव भी है।

आखिर क्यों नहीं पहुंच पाते सांप?

किसी क्षेत्र में सांपों की मौजूदगी या अनुपस्थिति कई प्राकृतिक कारणों पर निर्भर करती है। सबसे बड़ा कारण भौगोलिक अलगाव है। जो द्वीप लंबे समय तक मुख्य भूमि से कटे रहे, वहां सांप प्राकृतिक रूप से नहीं पहुंच सके।

दूसरा कारण जलवायु है। अत्यधिक ठंडे क्षेत्रों में सांप जीवित नहीं रह पाते क्योंकि वे शीत-रक्तीय जीव हैं और अपने शरीर का तापमान वातावरण के अनुसार नियंत्रित करते हैं। इसके अलावा भोजन की उपलब्धता, प्राकृतिक आवास और पारिस्थितिकी तंत्र भी किसी क्षेत्र में सांपों के अस्तित्व को प्रभावित करते हैं। जहां अनुकूल परिस्थितियां नहीं होतीं, वहां सांपों की आबादी विकसित नहीं हो पाती।

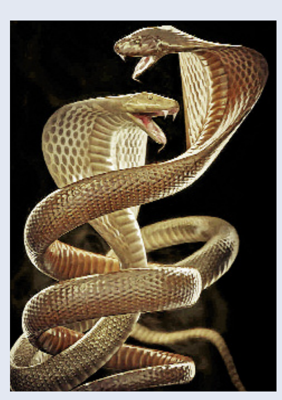

प्रकृति का संतुलन

अक्सर सांपों को केवल डर और खतरे के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, जबकि वे प्रकृति के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे चूहों और अन्य छोटे जीवों की संख्या नियंत्रित करते हैं, जिससे कृषि को भी लाभ मिलता है। यदि किसी क्षेत्र से सांप पूरी तरह समाप्त हो जाएं तो खाद्य श्रृंखला और पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दुनिया में कहीं सांपों का पूरी तरह अभाव है तो कहीं उनकी भरमार। यह अंतर प्रकृति के विकास, जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों का परिणाम है। इसलिए सांपों को केवल भय की दृष्टि से नहीं, बल्कि जैव विविधता के महत्वपूर्ण अंग के रूप में समझना और उनके साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

■ हरिनारायण मिश्रा

संस्कृति और खानपान से पहचान

रेल की पटरियों पर बिखरे स्वाद के अनमोल पड़ाव

भारतीय रेल सिर्फ यात्रियों को एक शहर से दूसरे शहर तक नहीं पहुंचाती, बल्कि हर स्टेशन पर उस क्षेत्र की संस्कृति और खानपान से भी परिचित कराती है। देश के कुछ रेलवे स्टेशन ऐसे हैं, जहां ट्रेन रुकते ही यात्रियों की नजर पहले प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले स्थानीय व्यंजनों पर जाती है। कहीं रतलामी सेव और पोहा-जलेबी की महक बुलाती है, तो कहीं संदेश, मिष्टी दोई या प्याज कचौड़ी का स्वाद सफर को यादगार बना देता है। यही कारण है कि कई स्टेशन अपनी ट्रेनों से ज्यादा अपने जायके के लिए पहचाने जाते हैं।

हावड़ा जंक्शन: बंगाल का मिठास भरा स्वागत

1854 में शुरू हुआ हावड़ा जंक्शन देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में गिना जाता है। यहां पहुंचने वाले यात्रियों के लिए बंगाल की प्रसिद्ध मिष्टी दोई, संदेश और कई स्थानीय मिठाइयां खास आकर्षण होती हैं। स्टेशन के आसपास मिलने वाली मछली-भात की पारंपरिक थाली भी यात्रियों को बंगाल के असली स्वाद से रूबरू कराती है।

रतलाम जंक्शन: प्लेटफॉर्म पर बिकती है पहचान

नई दिल्ली-मुंबई मुख्य रेलमार्ग पर स्थित रतलाम जंक्शन का नाम सुनते ही सबसे पहले रतलामी सेव याद आती है। लौंग और मसालों के अनोखे स्वाद वाली यह सेव देशभर में मशहूर है। सुबह के समय यहां मिलने वाला पोहा-जलेबी भी यात्रियों की पहली पसंद बन जाता है। कई लोग तो सिर्फ इन व्यंजनों के लिए ट्रेन रुकते ही प्लेटफॉर्म पर उतर जाते हैं।

खड़गपुर जंक्शन
लंबे प्लेटफॉर्म, लंबी स्वाद-परंपरा

पश्चिम बंगाल का खड़गपुर जंक्शन अपने विशाल प्लेटफॉर्म के साथ-साथ खाने के लिए भी जाना जाता है। यहां मिलने वाला मसालेदार दम आलू और लच्छा पराठा वर्षों से यात्रियों की पसंद बना हुआ है। कई नियमित यात्री मानते हैं कि इस स्टेशन पर बिना दम आलू खाए यात्रा अधूरी रहती है।

जयपुर जंक्शन
शाही शहर का शाही जायका

जयपुर जंक्शन, यात्रियों का स्वागत प्याज कचौड़ी, दाल-बाटी-चूरमा, घेवर व कुल्हड़ वाले दूध जैसे पारंपरिक व्यंजनों से करता है। त्योहारों में स्थानीय मिठाइयों की मांग और बढ़ जाती है। स्वच्छ जंक्शन का यह स्वाद यात्रियों के अनुभव को खास बनाता है।

हर स्टेशन, एक नई पहचान

भारत के रेलवे स्टेशन ट्रेनों के ठहराव स्थल के साथ ही अपने क्षेत्रों की खाद्य संस्कृति के परिचायक भी हैं। स्थानीय व्यंजन यात्रियों को उस नगर की परंपरा, इतिहास और जीवनशैली का स्वाद चखाते हैं। यही वजह है कि कई यात्रियों के लिए मंजिल से पहले प्लेटफॉर्म का स्वाद यादगार बन जाता है। अगली बार जब आपकी ट्रेन इन स्टेशनों पर रुके तो क्षेत्रीय व्यंजन का स्वाद लेना न भूलें।

मदुरै जंक्शन दक्षिण का विशेष स्वाद भंडार

तमिलनाडु का मदुरै जंक्शन दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है। यहां की मुलायम इडली, ताजा सांभर और नारियल चटनी यात्रियों को घर जैसा स्वाद देती है। गर्मी के मौसम में यहां मिलने वाला पारंपरिक पेय जिगरथंडा विशेष आकर्षण माना जाता है, जो दूध, बादाम गोंद और स्थानीय सामग्री से तैयार किया जाता है। यह पेय सफर की थकान दूर करने के लिए प्रसिद्ध है।

■ धर्मेंद्र सिंह कर्ण

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630